CMYK

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

पंजाब : मोहाली के ऑक्सीजन सिलेंडर प्लांट में भीषण विस्फोट, दो की मौत

घाना में दुर्घटना का शिकार हुआ सरकारी हेलीकॉप्टर, पर्यावरण मंत्री समेत 8 लोगों की मौत

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 225 | रायपुर | गुरूवार 07 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

कर्तव्य भवन जन-जन की सेवा के प्रति हमारे अटूट संकल्प का प्रतीक है : प्रधानमंत्री

पीएम ने कर्तव्य भवन राष्ट्र को समर्पित किया

प्रधानमंत्री ने प्रांगण में एक पौधा भी लगाया; पर्यावरण अनुकूल निर्माण के बारे में बताया

एजेंसी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कर्तव्य भवन को राष्ट्र को समर्पित करते हुए इसे जन-जन की सेवा के प्रति अटूट संकल्प और निरंतर प्रयासों का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन न केवल नीतियों और योजनाओं को लोगों तक तेजी से पहुंचाने में मददगार बनने वाला है, बल्कि इससे देश के विकास को भी एक नई गति मिलेगी। श्री मोदी ने कहा कि कर्तव्य भवन एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसे गढ़ने वाले हमारे श्रमयोगियों की अथक मेहनत और संकल्प-शक्ति का आज देश साक्षी बना है। उन्होंने उनसे बातचीत करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस भवन के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण का पूरा ध्यान रखा गया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कर्तव्य भवन के प्रांगण में एक पौधा भी लगाया।

प्रधानमंत्री ने कई पोस्टों में कहा; “कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन जन-जन की सेवा के प्रति हमारे अटूट संकल्प और निरंतर प्रयास का प्रतीक है। ना केवल हमारे सदस्यों और लोगों तक की शिक्षा को तेजी से मित्रता में शामिल करने वाला है, बल्कि इससे देश के विकास को भी एक नई गति मिलेगी। मित्रता के सिद्धांत बने इस भवन को राष्ट्र को समर्पित कर बहुत ही गौरवान्वित हूं।

कर्तव्य भवन की खास बात : कर्तव्य भवन क्या है, कैसे बनेगा ये देश का नया पावर सेंटर

कर्तव्य भवन सेंट्रल विस्टा रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट का हिस्सा है. सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट इंडिया गेट से लेकर राष्ट्रपति भवन तक फैले दिल्ली के इलाके को नए और आधुनिक तरह से विकसित करने का बड़ा प्रोजेक्ट है. इस प्रोजेक्ट के तहत 10 नई सरकारी इमारत बनाने की योजना है. पहले कर्तव्य भवन का पीएम मोदी ने उद्घाटन किया है. इन इमारतों को बनाने का मकसद प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना, मंत्रालयों के बीच समन्वय बढ़ाना और बेहतर सार्वजनिक सेवा के लिए नीतियों के क्रियान्वयन में तेजी लाना है. कर्तव्य भवन का मकसद विभिन्न मंत्रालयों को एक ही छत के नीचे लाना है. देश के कई पावरफुल मंत्रालय अब इस नए पावर सेंटर से चलेंगे. नए कर्तव्य भवन में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई, डीओपीटी (कार्मिक मंत्रालय), पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय होंगे. कुछ मंत्रालय बुधवार से ही इसमें शिफ्ट हो रहे हैं.

अमित शाह पर की गई टिप्पणी से जुड़े केस में झारखंड चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी को जमानत दी

रांची। एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा कोर्ट में चल रहे एक मानहानि मुकदमे में जमानत मिल गई है। यह मामला वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस केस में झारखंड के चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी करते हुए व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने का निर्देश दिया था। चाईबासा निवासी प्रताप कटियार नामक शख्स ने राहुल गांधी के खिलाफ 9 जुलाई, 2018 को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। शिकायत के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं, यह भाजपा में ही संभव है। इस शिकायत वाद पर चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ अप्रैल 2022 में जमानती वारंट जारी किया था। इसपर राहुल गांधी की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इसके बाद कोर्ट ने फरवरी 2024 में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

पंजाब में शिक्षामंत्री को अकाल तख्त से मिली सजा, साफ करने होंगे जूते

एजेंसी।जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर नाच-गाने का कार्यक्रम करवाने के बाद विवादों में घिरे पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस पर अकाल तख्त साहिब ने कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने बुधवार को अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होकर पांच सिंह साहिबानों की मौजूदगी में अपनी गलती स्वीकार करते हुए क्षमा याचना की। इसके बावजूद अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने उन्हें तनखैया करार दिया। सुनवाई के बाद जत्थेदार गड़गज ने शिक्षा मंत्री बैंस को आदेश दिया कि वे गुरुद्वारा गुरुके महल तक गोल्डन टैंपल पैदल चलकर जाएं और उस गुरुद्वारे तक जाने वाली सड़कों व गलियों की मरम्मत व साफ - सफ़ाई सुनिश्चित करें। सजा के तहत उन्हें गुरुद्वारा श्री कोठा साहिब से 100 मीटर पहले उतरकर पैदल चलकर जाना होगा और उस रास्ते को सुधारने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी।

एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट को लेकर बड़ा ऐलान, 1 अक्टूबर से फिर से शुरू होगी

एजेंसी

विल्सन ने कहा कि हमने 1 अगस्त, 2025 से अंतरराष्ट्रीय परिचालनों की चरणबद्ध बहाली शुरू कर दी है, और 1 अक्टूबर, 2025 तक पूर्ण रूप से पुनः आरंभ करने का लक्ष्य रखा है। यह संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि हम प्रत्येक सत्यापन को पूरी तरह से पूरा करें और पूरे विश्वास के साथ सेवा पुनः आरंभ करें। एयर इंडिया 1 अक्टूबर से अपनी अंतराष्ट्रीय उड़ानें फिर से शुरू करने के लिए तैयार है, जो अस्थायी निलंबन के बाद सामान्य स्थिति की ओर एक बड़ा कदम है। टाटा के स्वामित्व वाली इस एयरलाइन ने 12 जून को अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे के बाद अपनी विदेशी सेवाएं रोक दी थीं, जिसके बाद इसके परिचालन की गहन आंतरिक समीक्षा की गई। हाल के हफ्तों में आई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने यात्रियों को आश्वस्त किया कि एयरलाइन अपनी आंतरिक प्रणालियों को बेहतर बनाने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। उन्होंने व्यवधानों को कम करने और भविष्य में एक सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइन की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

लोकसभा-राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा दो अहम विधेयक पारित

एजेंसी। दोपहर दो बजे दोबारा राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया, इस दौरान कामकाज चलता और केंद्र सरकार ने अहम विधेयक पारित कराया। इसके बाद उच्च सदन की कार्यवाही 7 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा से समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक, 2025 पारित

राज्यसभा में विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक, 2025 पर चर्चा हुई और उसे पारित भी किया गया।

लोकसभा में वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2024 पर चर्चा और इसे पारित किए जाने के बाद लोकसभा की कार्यवाही 7 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

लोकसभा में वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2024 पर चर्चा और इसे पारित किए जाने के बाद लोकसभा की कार्यवाही 7 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मुद्दे पर लोकसभा में विपक्षी दलों का हंगामा बुधवार को भी जारी रहा जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद तीसरी बार सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

लोकसभा में दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु की तो विपक्षी दलों के सदस्य हाथों पर तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए सदन के बीचो-बीच आकर हंगामा करने लगे। पीठासीन अधिकारी ने उन्हें हंगामा नहीं करने तथा अपनी सीट पर जाकर सदन की कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया लेकिन वे नहीं माने और हंगामा चलता रहा।

इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि सरकार विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए किसी भी मुद्दे पर सदन में चर्चा करने के लिए तैयार है लेकिन सदन में जो भी काम होंगे वह संवैधानिक प्रावधान के तहत और लोकसभा की आचार संहिता के अनुसार ही किए जाएंगे।

साइबर फ्रॉड मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, दिल्ली, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली अंतराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी के मामले में ईडी) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार सुबह ईडी ने दिल्ली-एनसीआर और उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में 11 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। साइबर ठगों ने खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर कई विदेशी और भारतीय नागरिकों को ठगा था। यह छापे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर पीएमएलए के तहत चल रही जांच का हिस्सा हैं। ईडी ने बुधवार सुबह दिल्ली के अलावा नोएडा और गुरुग्राम में छापे मारे। प्राथमिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि भारतीय और विदेशी नागरिकों से ठगों ने पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी की।

धर्म छिपाकर की शादी होगी अमान्य, 10 साल की जेल और लगेगा भारी जुर्माना

नया धर्मांतरण कानून लागू

एजेंसी

पंचकूला. हरियाणा सरकार ने धर्म छिपाकर शादी करने वालों को लेकर नया धर्मांतरण कानून लागू कर दिया है. धर्मांतरण से जुड़ी घटनाओं पर सख्ती बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई व्यक्ति विवाह के लिए अपना धर्म छिपाता है, तो ऐसे विवाह को अमान्य माना जाएगा. इस अधिनियम के तहत यदि कोई व्यक्ति धर्म छिपाकर विवाह करता है, तो उसे तीन से 10 साल की जेल और कम से कम तीन लाख रुपये व अधिकतम पांच लाख रुपये जुर्माना हो सकता है.

नए धर्मांतरण कानून के अनुसार अगर ऐसे विवाह से संतान जन्म लेती है तो उसे कानूनी रूप से वैध माना जाएगा और उसे संपत्ति में उत्तराधिकार का पूरा अधिकार मिलेगा. गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगाना नहीं, बल्कि शादी के नाम पर धोखे और जबरदस्ती धर्मांतरण जैसे मामलों को रोकना है. नए कानून में यह प्रावधान है कि कोई भी व्यक्ति धोखे, लालच, बल या अनुचित प्रभाव से धर्म परिवर्तन नहीं करा सकता, चाहे वह विवाह के लिए ही क्यों न किया गया हो. सुमिता मिश्रा के अनुसार, धर्म परिवर्तन करने से पहले संबंधित उपायुक्त को सूचित करना अनिवार्य है. धार्मिक अनुष्ठान कराने वाले व्यक्ति को भी सूचना देनी होगी. किसी भी घोषणा पर 30 दिन तक आपत्ति दर्ज की जा सकती है. अगर कोई व्यक्ति धर्म छिपाकर विवाह करता है, तो उसे तीन से 10 साल की जेल और कम से कम तीन लाख रुपये व अधिकतम पांच लाख रुपये जुर्माना हो सकता है.

विदेश ; भारत बोला- ये कार्रवाई अन्यायपूर्ण, जरूरी कदम उठाएंगे

ट्रम्प ने भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया : अब कुल 50% टैरिफ

एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत पर टैरिफ बम फोड़ने की घोषणा की है. बुधवार शाम को ट्रंप की तरफ से भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाने का कार्यकारी आदेश साइन किया गया है. अमेरिका की तरफ से कहा गया कि यह फैसला भारत द्वारा रूसी तेल की लगातार खरीद के जवाब में लिया गया है. इसके साथ ही भारत पर अमेरिका ने कुल 50% टैरिफ की घोषणा कर दी है. भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई को गलत, अन्यायपूर्ण और गैर जरूरी बताते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की बात कही। मंत्रालय ने कहा- हम पहले ही कह चुके हैं कि भारत बाजार के हिसाब से फैसले लेता है। अमेरिका का यह फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है।

दरअसल, इससे पहले अमेरिकी की तरफ से भारत पर 25 फीसदी टैरिफ और पेनल्टी की घोषणा की गई थी. इसके पीछे की वजह ट्रंप ने रूस से तेल खरीदना बताया था. ट्रंप द्वारा साइन कए गए आदेश के अनुसार, यह टैरिफ 21 दिनों के भीतर प्रभाव में आएगा, यानी 27 अगस्त 2025 से भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर लागू होगा. हालांकि, वे वस्तुएं जो इस तारीख से पहले रवाना हो चुकी होंगी और 17 सितंबर 2025 से पहले अमेरिका पहुंच जाएंगी, उन्हें इस शुल्क से छूट मिलेगी. आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह टैरिफअन्य सभी शुल्कों और टैक्स के अतिरिक्त होगा और कुछ खास मामलों में छूट भी दी जा सकती है.

ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया है कि यदि कोई और देश भी रूस से परोक्ष या सीधे तौर पर तेल आयात करता है, तो उस पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा सकती है. साथ ही, यदि रूस या कोई अन्य प्रभावित देश अमेरिका की नीतियों के अनुरूप कदम उठाता है, तो इस आदेश में बदलाव भी संभव है.

7 साल बाद पीएम मोदी इसी माह चीन जाएंगे, गलवान झड़प के बाद पहला दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल बाद चीन का दौरा करेंगे. वह 31 अगस्त और 1 सितंबर को एससीओ समिट में हिस्सा लेने पड़ोसी देश जाएंगे. साल 2020 में गलवान घाटी में दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुई झड़प के बाद यह पहला मौका है जब भारतीय पीएम चीन जाएंगे.

इससे पहले वह अप्रैल 2018 में आखिरी बार चीन गए थे. यह पीएम मोदी का अपने 11 साल के कार्यकाल में छठा चीन दौरा है. चीन जाने से पहले पीएम जापान का दौरा करेंगे. वह भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने 30 अगस्त को जापान जाएंगे. जापान यात्रा से लौटते ही पीएम मोदी चीन की यात्रा पर निकल जाएंगे।

पिछले महीने विदेश मंत्री गए थे चीन - पिछले महीने ही भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था. इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी. इस दौरान ल संसाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिबंधों, एलएसी पर तनाव कम करने और आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई थी. खबरों की मानें तो इसी मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा की नींव रखी थी.

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से की थी मुलाकात विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात की जानकारी शेयर की थी. उन्होंने लिखा था, एससीओ के विदेश मंत्रियों के साथ आज सुबह मैंने बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की. मैंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं. मैंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हाल में हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी. इस संबंध में मैं हमारे नेताओं के मार्गदर्शन को महत्व देता हूं।

टैरिफ धमकी पर चीन शातिराना तरीके से पेश आ रहा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीते कुछ दिनों से भारत को लेकर आक्रामक हैं। अमेरिका की ओर से भारत के सामानों पर टैरिफ लगाने और भारतीय अर्थव्यवस्था को नुकसान करने की धमकियां दी गई हैं। इस मुद्दे पर एक तरफ ईरान और रूस जैसे देशों ने खुलकर भारत का साथ दिया है तो दूसरी ओर चीन शातिराना तरीके से पेश आ रहा है। चीन का ग्लोबल टाइम्स एक ओर भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर कह रहा है तो सहयोग बढ़ाने की बात कर रहा है। ट्रंप के टैरिफ की ओर इशारा करते हुए चीन ने भारत के साथ बेहतर संबंधों पर जोर दिया है। बीजिंग की ओर ये सब पीएम नरेंद्र मोदी के दौरे से ठीक पहले कहा गया है। मोदी 31 अगस्त को चीन जा रहे हैं। चीनी सरकार के मुखपत्र माने जाने वाले ग्लोबल टाइम्स ने बुधवार को भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर छिड़ी बहस पर प्रतिक्रिया दी है। ग्लोबल टाइम्स कहता है मई 2025 में, भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) प्रवाह महीने-दर-महीने 99 प्रतिशत और साल-दर-साल 98 प्रतिशत घट गया। इसने भारत की आर्थिक संभावनाओं और उसके कारोबारी माहौल को लेकर नई अंतरराष्ट्रीय बहस छेड़ दी है।

साल 2025 में अब तक 6 विमान इंजन बंद और 3 मेडे कॉल की घटनाएं हुईं : नागरिक उड्डयन मंत्रालय

एजेंसी। देश में इस साल कुल 6 विमान इंजन बंद होने और 3 मेडे कॉल की घटनाएं सामने आई हैं। यह जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दी। नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल के अनुसार, इंडिगो और स्पाइसजेट में से प्रत्येक एयरलाइन में दो-दो इंजन बंद होने की घटनाएं दर्ज हुईं, जबकि एयर इंडिया और एलायंस एयर में से प्रत्येक में एक-एक ऐसी घटना हुई। मेडे कॉल एक आपातकालीन संकेत होता है, जिसे पायलट उस समय देता है, जब विमान इमरजेंसी सिचुएशन का सामना करता है और तत्काल मदद की आवश्यकता होती है। यह कॉल एयर ट्रैफिक कंट्रोल को तीन बार मेडे कहकर दी जाती है।

इस साल अब तक हुई तीन मेडे कॉल की घटनाओं में एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस शामिल हैं। इनमें से एक घटना में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 (जो अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही थी) टेकऑफ के तुरंत बाद एक इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा 12 जून 2025 को हुआ था। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जुलाई को इस दुर्घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें सिर्फ तथ्यात्मक जानकारी दी गई है। अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है और जांच जारी है।

राज्यसभा में पूछे गए एक अन्य सवाल पर मंत्री ने कहा, हादसे के संभावित कारणों या योगदान देने वाले सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। 30 जुलाई को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट में 51 सुरक्षा उल्लंघनों की पहचान की।

CMYK

कुटीर उद्योग लगाकर रोजगार सृजन का खोला जा सकता है अवसर

आम बस्तरिहा के जन्म से मृत्यु तक का सहचर है सरई पेड़, साल पेड़ जनजातीय परिवेश का अभिनय अंग

जगदलपुर । जहां पड़े थे प्रभु श्रीराम के चरण उस बस्तर को दंडकारण्य और सरई साल वनों का द्वीप भी कहा जाता है। साल या सरई का वैज्ञानिक नाम शोरा रोबुस्ता है। यहां की जनजातीय संस्कृति में साल जिसे सरई और सरगी पेड़ भी कहा जाता है, का विशेष महत्व है और इसे उनके जीवन का आधार भी माना जाता है। साल पेड़ की लकड़ी, पत्ता, फल, टहनी और बीज यानि हर हिस्सा बस्तर के आदिवासियों के दैनिक जीवन, लोक रीति-रिवाज और अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है। सुबह उठते ही यहां के आदिवासी सरई की कोमल टहनी से दातून बनाकर दांतों और जीभ की सफाई करते हैं। साल के पत्तों से दोना पतल, चिपड़ी, डोबली आदि बनाए जाते हैं, जिनका उपयोग पारंपरिक पर्व, शादी-विवाह, मृत्यु भोज व अन्य सामूहिक कार्यों में भोजन परोसने के लिए होता है। सूखे पत्तों को जरुरत पड़ने पर पानी में भिगोकर फिर से दोना पत्तल बनाते हैं, जिससे इसका उपयोग लंबे समय तक संभव रहता है। इससे रोजगार भी जुड़ा है, क्योंकि लोग इन्हें बाजार में बेचकर आय अर्जित करते हैं। साल की लकड़ी इमारती लकड़ी के रूप में घर निर्माण, शादी के मंडप, जलावन आदि में काम आती है। साल के बीजों से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग खाना पकाने, शरीर पर मलने व दीपक जलाने में किया जाता है। साल के पेड़ से प्राप्त गोंद (लासा) से धूप व अन्य धार्मिक सामग्री बनाई जाती है, जो देवी-देवताओं की हवन-पूजा में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख सामाग्री है। साल के फल बस्तर के ग्रामीण इकट्ठा करते हैं और इससे तेल व औषधि बनाते हैं। साल पेड़ के नीचे जमीन से निकलने वाला बोडा का इस्तेमाल सब्जी के रूप मे होता है जो पहली बारिश के बाद निकलता है मौसमी सब्जी होने के कारण यह बाकी सब्ज़ियों से बहुत महंगा होता है।

पूजा पाठ में है बड़ा महत्व

बस्तर के जनजातीय देवी देवताओं को महुआ रस, सरई पत्ते की चिपड़ी (दोनी) में ही चढ़ाया जाता है। शादी के बाद नवदंपति को परंपरा के अनुसार सरई के 16 पत्तों की पत्तल पर भोजन कराया जाता है। एक प्रसिद्ध लोककथा के अनुसार, बस्तर के राजा ने अन्य राजाओं को बताया कि यहां के लोग रोज नई थाली सरई की पत्तल में खाना खाते हैं और बार-बार धोकर वही थाली उपयोग नहीं करते। यह उनके आत्मसम्मान और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है। हरे पत्ते से बने दोने या पत्तल पर भोजन करने के कई फायदे हैं, ये आयुर्वेद, विज्ञान और भारतीय पारंपरिक अनुभव से सिद्ध माने जाते हैं।

एंटी बैक्टीरियल गुण भी

सरई पान से बने दोना पत्तल में भोजन करने से उसमें प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल गुण मिल जाते हैं, जिससे भोजन अधिक शुद्ध और सुरक्षित बन जाता है। केले, साल, पलाश पत्तों से जो पत्तल बनती है, वह पाचन शक्ति और अग्नि को बढ़ाती है, पेट को ठंडक देती हैं और गैस की समस्या कम करती है। पत्तलों के प्राकृतिक रस मधुर, अम्ल, लवण, कटु आदि भोजन में घुलकर उसका स्वाद और पोषकता को और भी बढ़ा देते हैं।

भारतीय जनता पार्टी जिला मीडिया सह प्रभारी बने अजय यादव

बलरामपुर-रामानुजगंज। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव जी, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन साय जी व बलरामपुर-रामानुजगंज के जिलाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल जी के अनुमोदन उपरांत जिला पदाधिकारीयों की घोषणा की गई, जिसमें अजय यादव को भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी की अहम जिम्मेदारी दी गई है।

भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी बनने पश्चात् अजय यादव ने भाजपा जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा मुझे जो अहम जिम्मेदारी दी गई है उसका निष्ठा एवं ईमानदारी से पालन करते हुए संगठन को और ज्यादा मजबूती प्रदान करने का प्रयास करूंगा।

अजय यादव ने पूर्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 2014 में इकाई रामानुजगंज़ के नगरमंत्री, नगर अध्यक्ष, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य,ज़िला संयोजक, एवं जशपुर जिले में संगठन मंत्री के रूप कार्य कर चुके हैं।

अजय यादव ने अभाविप से राजनीतिक जीवन की शुरुआत , कई छात्र आंदोलन, प्रदर्शन में नेतृत्व करते हुए भाजपा के सक्रिय सदस्य बने तत्पश्चात भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मंत्री,जिला प्रचार-प्रसार मंत्री, विधानसभा मीडिया प्रभारी जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। अब उन्हें कार्य क्षमता को देखते हुए भाजपा संगठन के द्वारा ज़िला मीडिया सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है, यह दायित्व मिलने पर जिले के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में काफ़ी उत्साह एवं हर्ष व्याप्त है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना

श्रद्धालुओं को रामलला दर्शन योजना के तहत प्रभु श्री राम के दर्शन का मिल रहा सौभाग्य

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय रायपुर से ऑनलाइन के माध्यम से जशपुर के कुनकुरी विकास खंड के मयाली में विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ के पास श्री शिव महापुराण कथा के अंतिम दिवस में शिव भक्तों को सम्बोधित किया। शिव भक्तों को मधेश्वर पहाड़ के पास सावन के माह में 28 जुलाई से 4 अगस्त 25 तक कुल 7 दिवसीय कथा अयोध्या के प्रसिद्ध कथा वाचक श्री देवकीनंदन महाराज के द्वारा शिव महापुराण की कथा सुनाया गया। शिव भक्तों ने पूरी श्रद्धा भाव से कथा का श्रवण किया। मुख्यमंत्री ने शिव भक्तों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूरे सावन माह में महामधेश्वर समिति के द्वारा विधि विधान से बाबा भोलेनाथ की पूजा अर्चना की इसके लिए उन्होंने सभी का धन्यवाद भी दिया।

मुख्यमंत्री ने विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़ की आराधना करते हुए प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की उन्होंने कहा कि सभी लोगों पर भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहे।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न जगहों में भगवान भोलेनाथ अनेक रूपों में विराजमान हैं इनमें मयाली में मधेश्वर पहाड़ के रूप में कवर्धा में बाबा भोरमदेव के रूप में राजीम में फूलेशवर महादेव के रूप में गरियाबंद में भूतेश्वरनाथ भगवान के रूप में विराजमान है इसी प्रकार जांजगीर चांपा के खरौद में लक्ष्मणेश्वर महादेव के रूप में भोलेनाथ विराजमान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में माता रानी के पांच शक्तिपीठों के विकास कार्यों के लिए कॉरिडोर के माध्यम से योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि डोंगरगढ़ में माता रानी बमलेश्वरी के रूप में विराजमान है रतनपुर में माता रानी महामाया मंदिर के रूप में जांजगीर-चांपा के चंद्रपुर में माता रानी चंद्रहासिनी के रूप में दंतेवाड़ा में माता रानी दंतेश्वरी के रूप में विराजमान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम के दर्शन का सौभाग्य मिल रहा है। वर्तमान में 22 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को दर्शन का सौभाग्य मिल गया है।

ऑनलाइन दोस्ती बनी जाल, पटना में ब्लैकमेलिंग और बलात्कार का मामला

रायपुर/सूरजपुर । चांदनी थाना क्षेत्र में एक महिला ने इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के बाद ब्लैकमेलिंग और बलात्कार का शिकार होने की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता के मुताबिक, 2023 में उसकी दोस्ती पटना, बिहार के चिंतामणी से हुई थी। आरोपी ने उसे बिहार में एक सफल अभिनेत्री-गायिका बनाने और हर महीने 1.5 लाख देने का लालच दिया।

आरोपी के झांसे में आकर महिला पटना गई, जहाँ चिंतामणी ने उसे एक किराए के कमरे में ले जाकर उसका मोबाइल छीन लिया। इसके बाद उसने महिला के साथ शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना करते हुए बलात्कार किया। करीब एक महीने बाद, महिला किसी तरह बचकर अपने घर लौट आई।इसके बाद आरोपी ने फोन पर महिला से पैसे की मांग शुरू कर दी और धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो वह अश्लील वीडियो वायरल कर देगा। डरकर महिला फिर से पटना गई, जहाँ आरोपी ने उसके साथ दोबारा बलात्कार किया। इस बार उसने महिला के अश्लील वीडियो और फोटो भी बनाए और एक फर्जी आईडी से उन्हें वायरल कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर चांदनी थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिहार के पटना में दबिश दी और 35 वर्षीय आरोपी चिंतामणी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से वीडियो बनाने और वायरल करने में इस्तेमाल किया गया एक लैपटॉप और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपेश कुंतल सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

महागठबंधन की गारंटियों को घर-घर पहुंचाना जरूरी: रेखचंद जैन

जननायक के सपनों को साकार करने रेखचंद जैन ने बिहार में झोंकी ताकत

पटना साहिब में सक्रिय हैं एआईसीसी पर्यवेक्षक जैन

जगदलपुर। पूर्व विधायक व संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ रेखचंद जैन ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के पक्ष में पूरी ताकत झोंक दी है। जननायक राहुल गांधी के सपनों को साकार करने व महागठबंधन प्रत्याशी की जीत तय कराने के लक्ष्य के साथ श्री जैन जुटे हैं।

एआईसीसी द्वारा बिहार की राजधानी पटना के दो विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक रेखचंद जैन ने रविवार 3 अगस्त को पटना साहिब के वार्ड क्रमांक 69 से कांग्रेस पार्षद मनोज मेहता की अध्यक्षता मे वार्डवासियों की बैठक लेकर जननायक राहुल गांधी के वादों को विस्तार से बताया और उपस्थितजनों से कांग्रेस के लिए समर्थन मांगा। इसके बाद पटना साहिब के ही वार्ड क्रमांक 67 में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पप्पू त्रिवेदी, वरिष्ठ कांग्रेसी घनश्याम शर्मा, पूर्व मेयर जमुना प्रसाद के पुत्र संजय कुमार की उपस्थिति में वार्ड क्रमांक 67 मे बीएलए एवं बूथ कमेटी के सदस्यों की बैठक लेकर नई प्रकाशित मतदाता सूची को लेकर कार्य करने को कहा। श्री जैन ने कांग्रेस के जननायक राहुल गांधी के वादों और महागठबंधन की गारंटियों को घर- घर पहुंचाने की अपील की। गारंटियों को घर-घर पहुंचाने पर भी जोर दिया।

तीन माह में नारकोटिक्स एवं आबकारी एक्ट के तहत 57 प्रकरण दर्ज, 68 आरोपी गिरफ्तार

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार के दिशा-निर्देशन में जिले में नशा उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत विगत माह मई जून एवं जुलाई 2025 तीन माह में धमतरी पुलिस द्वारा नारकोटिक्स एक्ट एवं आबकारी एक्ट के तहत प्रभावी कार्यवाही की गई है। इस दौरान पुलिस ने नारकोटिक्स एवं आबकारी एक्ट के तहत 57 प्रकरण दर्ज किये है जिनमें 68 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

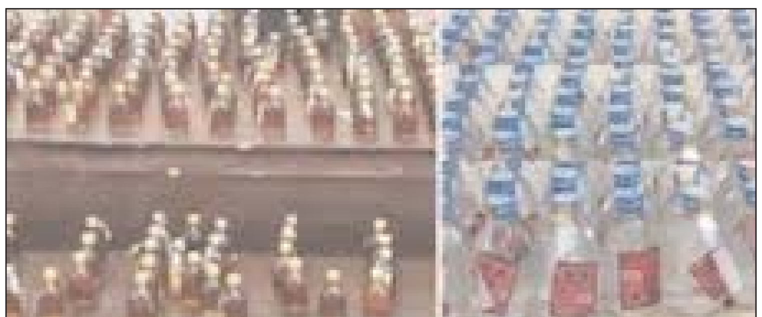

धमतरी जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अवैध शराब बिक्री और निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत पुलिस द्वारा समय-समय पर मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है, जिससे जिले में नशे की जड़ें कमजोर हुई हैं।

इसी कार्यवाही के तहत पुलिस ने पिछले तीन महिनों में नारकोटिक्स एक्ट के अंतर्गत की कुल प्रकरण 06 में 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर 20 किलो 255 ग्राम (कीमत 2,16,000/-रूपये) गांजा जब्त किया है। वहीं केप्सूल/टेबलेट-235 नग (कीमत 5,073.30/-रूपये), बिक्री रकम 1,400/-रूपये, हेरोइन 0.9 ग्राम (कीमत 10,000/-रूपये), बिक्री रकम 7,200/-रूपये जब्त किया है।

आबकारी एक्ट के अंतर्गत कुल 51 प्रकरण में 57 लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 295.5 लीटर देशी/विदेशी मदिरा अनुमानित कीमत 1,25,675 रूपये किया है।

धमतरी पुलिस ने आमजन से अपील किया है कि नशे के विरुद्ध इस लड़ाई में प्रशासन का सहयोग करें, किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत अपने नजदीकी थाना अथवा डायल 100,112 पर दें।

सब्जी में छिपकली गिरने से फूड पॉइजनिंग, एक ही परिवार के चार लोग अस्पताल में भर्ती

बलरामपुर । छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से फूड पॉइजनिंग का एक मामला सामने आया है। हरिगवां गांव में एक परिवार के चार सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनकी तबीयत रात के खाने के बाद बिगड़ गई थी।

बताया जा रहा है कि बीती रात परिवार के लिए चने की सब्जी बनाई गई थी, जिसमें गलती से एक छिपकली गिर गई। इस बात से अनजान, परिवार के तीन बच्चों सहित कुल चार लोगों ने वह सब्जी खा ली। खाना खाने के कुछ देर बाद ही सभी की तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें फूड पॉइजनिंग के लक्षण दिखने लगे। इसके बाद, परिवार के लोगों को तुरंत वाड्रफनगर के सिविल अस्पताल में ले जाया गया। फिलहाल सभी का इलाज चल रहा है।

मोहला-मानझ्रपुर-अंबागढ़ चौकी क्षेत्र और जगदलपुर में 5 मासूमों की डूबने से दर्दनाक मौत

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अपील - बारिश के मौसम में गहरे जल स्रोतों से सतर्क रहें आमजन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी क्षेत्र एवं जगदलपुर के हजारीगुड़ा गांव में नहाते समय गहरे पानी में डूबकर पाँच मासूम बच्चों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस दुःखद घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ है। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि पीड़ित परिवारों को शासन के नियमानुसार चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि तत्काल प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बरसात के मौसम में नदी-नालों और गहरे जल स्रोतों में बढ़ते जल स्तर और तेज प्रवाह को देखते हुए आम नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विशेषकर बच्चों को ऐसे खतरनाक स्थलों के पास जाने से रोका जाए, ताकि इस प्रकार की दुःखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक जागरूकता बढ़ाने, जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर चिन्हांकन करने तथा जोखिम वाले इलाकों में चेतावनी बोर्ड लगाने जैसे सतर्कता उपायों को प्राथमिकता के साथ लागू किए जाने के निर्देश दिए हैं।

7 अगस्त से मितानिनों का अनिश्चितकालीन हड़ताल और कलमबंद आंदोलन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाने वाली मितानिनें एक बार फिर आंदोलन के रास्ते पर हैं। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य मितानिन संघ ने 7 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल और कलमबंद आंदोलन की घोषणा की है। यह आंदोलन नया रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर चरणबद्ध तरीके से होगा।संघ की ओर से बताया गया कि रायपुर संभाग की मितानिनें 7 अगस्त को, दुर्ग संभाग की 8 अगस्त को, बिलासपुर संभाग की 9 अगस्त को, सरगुजा संभाग की 10 अगस्त को और बस्तर संभाग की मितानिनें 11 अगस्त को प्रदर्शन में शामिल होंगी। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में सरकार ने वादा किया था कि मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फैसिलिटेटर और ब्लॉक कोऑर्डिनेटरों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शामिल किया जाएगा। लेकिन इसके उलट, सरकार ने इस कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी एक दिल्ली स्थित एनजीओ को सौंप दी है, जिससे मितानिनों में भारी नाराजगी है। मितानिन संघ तीन मुख्य मांगों को लेकर यह प्रदर्शन कर रहा है। इससे पहले भी 29 जुलाई को रायपुर में एक बड़ा प्रदर्शन किया गया था, जिसमें सरकार को चेतावनी दी गई थी कि यदि मांगे नहीं मानी गईं तो मितानिनें काम और कलम बंद आंदोलन शुरू करेंगी। गौरतलब है कि राज्य में करीब 72,000 मितानिनें कार्यरत हैं, जो गांवों और शहरों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का अहम हिस्सा हैं। अपनी मांगों को लेकर वे लंबे समय से संघर्ष कर रही हैं और अब निर्णायक आंदोलन के मूड में हैं।

रायपुर कोर्ट ने दो आरोपियों को दिया सख्त दंड

रायपुर । राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में तीन साल पुराने मोबाइल लूट के एक मामले में कोर्ट ने दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई है। यह पहली बार है जब मोबाइल लूट के किसी मामले में इतनी कठोर सज़ा दी गई है।

अपर सत्र न्यायाधीश शैलेश शर्मा की अदालत ने शेख शब्बीर और आशीष मिर्ज़ा उर्फ लियॉन उर्फ बबलू को दोषी मानते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने दोनों पर क्रमशः 40,000 और 50,000 का जुर्माना भी लगाया है।

यह घटना 1 सितंबर 2022 की है, जब देवेंद्र साहू सुबह लगभग पौने पाँच बजे मॉर्निंग वॉक पर निकले थे।

पुनर्मूल्यांकन के बाद गरियाबंद बोर्ड परीक्षा परिणामों में चौथे स्थान पर

रायपुर। शैक्षणिक सत्र 2024-2025 में घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम गरियाबंद शिक्षा के क्षेत्र मे एक और अभूतपूर्व उपलब्धियों वाला रहा। जहां कक्षा 12 वीं के परीक्षा परिणाम में जिले ने राज्य मे चौथा रैंक हासिल किया। इसी प्रकार पुनर्मूल्यांकन रिजल्ट के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड द्वारा स्थाई मेरिट लिस्ट जारी किया गया है। जिसमें कक्षा 10वीं मे जिले के सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल, देवभोग के भूपेश कुमार नागेश ने 98.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य स्तर पर तीसरा रैंक प्राप्त किया है।

शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार बोर्ड द्वारा प्रतिवर्ष विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के छात्रों के लिए अलग से मेरिट लिस्ट जारी किया जाता है, इसमें भी जिले के छात्रों ने अपने प्रतिभा का अच्छा प्रदर्शन किया है। इस वर्ष हायर सेकेंडरी स्कूल, सडक परसुली के शैलेन्द्र कुमार शोरी ने इस संवर्ग मे प्रथम स्थान प्राप्त कर मेरिट में अपना स्थान बनाया है। दूरस्थ ग्रामीण अंचल के छात्र भूपेश नागेश ने राज्य में तृतीय रैंक, तथा विशेष पिछड़ी जनजाति के छात्र शैलेन्द्र शोरी ने संवर्ग में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

लाखेनगर मैदान में गणेश मूर्तियों की दुकानें लगाने के निर्देश

रायपुर (संवाददाता)।

राजधानी की सड़कों पर अक्सर त्योहारी सीजन में जाम की स्थिति बनती थी, जिससे निपटने के लिए निगम ने मुहीम शुरू कर दी है. इस बार गणेशोत्सव के लिए मूर्तियों की बिक्री सड़क किनारे नहीं होगी. जोन 5 और जोन 7 क्षेत्र में सड़क किनारे मूर्तियों की बिक्री करते पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. निगम ने लाखेनगर मैदान में मूर्तिकारों को मूर्तियां बेचने की अनुमति दी है. महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर एमआईसी मेंबर दीपक जायसवाल ने जोन कमिश्नर खीरसागर नायक और राकेश शर्मा के अलावा अधिकारियों के साथ मूर्तिकारों की बैठक बुलाई. इनमें मूर्तिकार संघ के अध्यक्ष श्री शुद्ध प्रजापति, पदाधिकारी रवि प्रजापति, कुती प्रजापति और अरूण प्रजापति शामिल हुए.

कुम्हार समाज के साथ ही मूर्तिकारों ने भी अपनी सहमति दे दी. बैठक में मूर्तिकारों को बताया गया कि सडक पर श्री गणेश मूर्ति का विक्रय करने के कारण शहर में यातायात व्यवस्था पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है. इसीलिए सभी जोनो में 1 स्थान निर्धारित कर वहा व्यवस्थित रूप से श्री गणेश मूर्तियों का विक्रय करने की व्यवस्था देने प्रयास किया जा रहा है. इसी के चलते जोन 5 एवं जोन 7 के क्षेत्र के कुम्हार समाज के प्रतिनिधियों मूर्ति कलाकारो के लिए ईदगाह भाठा, लाखे नगर मैदान के स्थल का श्रीगणेश उत्सव के पूर्व श्री गणेश की मूर्तियों का विक्रय करने निर्धारण किया गया है.

संसद नहीं चलने देना विपक्ष की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचायक : सांसद

रायपुर/नई दिल्ली ।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष ने लोकसभा और राज्यसभा जमकर हंगामा किया। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने संसद की कार्यवाही में लगातार बाधा डाल रहे विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष आज पूरी तरह मुद्दाविहीन हो चुका है, न तो वह कोई सार्थक चर्चा करना चाहता है और न ही जनता के हितों से जुड़े विषयों पर जवाब देना चाहता है। उल्टा, वह केवल हंगामा और व्यवधान पैदा कर लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। सांसद अग्रवाल ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विपक्ष ने जो बवाल मचाया, उसी में वह खुद उलझ गया है। अब मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर संसद की कार्रवाई को बाधित किया जा रहा है, यह विषय चुनाव आयोग से संबंधित है, जो एक स्वतंत्र और संवैधानिक संस्था है। इस पर यदि कोई नियमानुसार चर्चा हो सकती है, तो सरकार इसके लिए पूरी तरह तैयार है। संसद के पटल पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पर सरकार का पक्ष भी स्पष्ट रूप से रख दिया है।

उन्होंने विपक्ष की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि, ÷संसद देश का सर्वोच्च मंच है जहां देश की जनता के मुद्दों पर चर्चा होती है, योजनाओं की समीक्षा होती है और सरकार जवाबदेह बनती है। लेकिन कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित कर रहा है। यह उनके हताश और दिशाहीन होने का प्रमाण है।÷

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सामान्यतः संसद में प्रश्नकाल को अवरोधित नहीं किया जाता, लेकिन विपक्ष अब प्रश्नकाल को भी नहीं चलने दे रहा है, जिससे यह साफ हो गया है कि उन्हें न तो जनहित की चिंता है और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों की।

उन्होंने अंत में कहा कि, संसद की कारवाई नहीं चलने देने से देश का करोड़ों रुपए बर्बाद हो रहा है, जनता सब देख रही है और समय आने पर इस जनविरोधी रवैये का जनता करारा जवाब देगी।

राधे-राधे बोलने पर छात्रा की पिटाई मामले में बाल आयोग ने लिया संज्ञान

पीआईबी

रायपुर । ग्राम बागडुमर स्थित मदर टेरेसा इंग्लिश मीडियम स्कूल में साढ़े 3 साल की मासूम बच्ची के 'राधे-राधे' कहने पर प्रिंसिपल ने उसके मुंह पर टेप चिपकाकर बच्ची की पिटाई की थी. इस मामले में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्वत- संज्ञान लिया है. आयोग ने मामला दर्ज कर स्कूल के प्रबंधक और प्रिंसिपल को 14 अगस्त को तलब किया है. आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बताया कि ऐसे प्रकरणों में न केवल बच्ची व उसके परिवार के धार्मिक पंथ चुनने के अधिकार का हनन होता है बल्कि किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 के अंतर्गत ऐसा प्रकरण बच्चों के प्रति क्रूरता के दायरे में आता है। इस मामले की पूरी गंभीरता और निष्पक्षता के साथ जांच की जाएगी. इस प्रकरण में जिला बाल संरक्षण अधिकारी दुर्ग एवं थाना प्रभारी थाना नंदिनी को भी आयोग में आहूत किया गया है। आयोग ने पीड़ित बच्ची और उसके पालक से मिलकर वर्तमान स्वास्थ्य के संबंध में भी प्रतिवेदन मांगा है. घटना 30 अगस्त की है. स्कूल की प्रिंसिपल इला ईवन कौलवीन पर आरोप है कि उन्होंने बच्ची को सिर्फ इसलिए प्रताड़ित किया क्योंकि उसने हिंदू परंपरा के अनुसार 'राधे-राधे' कहकर अभिवादन किया. बच्ची के शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं. डरी-सहमी बच्ची ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी थी. इसके बाद बच्ची के पिता प्रवीण यादव ने मामले की शिकायत नंदनी थाना में दर्ज कराई थी।

सांसद के नेतृत्व में रेल मंत्री से मिले सिख समाज के लोग

रायपुर (संवाददाता)।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में बुधवार को रायपुर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष सरदार सुरेंद्र सिंह छाबड़ा समेत समिति के अन्य सदस्यों ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट कर गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी पर्व पर रायपुर से विशेष सिमरन यात्रा के लिए एक विशेष ट्रेन चलाने की मांग की।

सिख समाज हर वर्ष 24-25 नवंबर को गुरु तेग बहादुर का शहीदी पर्व अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाता है। 25 नवंबर 2025 को यह ऐतिहासिक पर्व अपने 350वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जिसे सिख समाज देश-विदेश में भव्य रूप से मनाने की तैयारी कर रहा है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ से लगभग 1000 श्रद्धालुओं की ÷दर्शन-सिमरन यात्रा÷13 नवंबर से रायपुर से प्रारंभ होकर श्री नांदेड़ साहिब, श्री आनंदपुर साहिब, श्री दमदमा साहिब, श्री अमृतसर साहिब, दिल्ली गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब, श्री पटना साहिब, श्री घुबरी साहिब, असम (जहां श्री गुरु तेग बहादुर जी के चरण पड़े थे) श्रद्धालु 25 नवंबर को श्री घुबरी साहिब में आयोजित शहीदी पर्व समारोह में भाग लेंगे और फिर 27 नवंबर को रायपुर लौटकर यात्रा पूर्ण होगी।

इस भव्य धार्मिक यात्रा के लिए विशेष रेलगाड़ी की आवश्यकता को गंभीरता से समझते हुए सांसद बृजमोहन ने केंद्रीय रेल मंत्री से आग्रह किया कि रेलवे मंत्रालय इस ऐतिहासिक अवसर पर सिख श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए विशेष ट्रेन की अनुमति दे।

सांसद अग्रवाल ने बताया कि केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इस मांग को सकारात्मक भाव से स्वीकार किया है और इस पर शीघ्र निर्णय लेने का आश्वासन दिया है।

अग्रसेन धाम, जोरा रायपुर में चार दिवसीय आवासीय योग, यज्ञ प्रशिक्षण एवं कार्यशाला

रायपुर अग्रसेन धाम रायपुर में 10 अगस्त से 13 अगस्त 2025 तक चार दिवसीय आवासीय योग, यज्ञ प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष कार्यकम का मार्गदर्शन करेंगे स्वामी परमार्थ देव जी महाराज, जो परम पूज्य योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज के परमप्रिय शिष्य एवं मुख्य केन्द्रीय प्रभारी, भारत स्वाभिमान तथा पतंजलि योग समिति है।

इस आयोजन का उदेदश्य योग, यक्ष, साधना एवं प्रशिक्षण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, आत्मविकास तथा आध्यात्मिक उत्थान को सशक्त करना है। प्रतिभागियों को स्वामी जी के सान्निध्य में शारीरिक, मानसिक और आत्मिक ऊर्जा का अनुभव प्राप्त होगा। कार्यकम में विशेष ध्यान दिया जाएगा- यक्ष शाला, प्रशिक्षण, ध्यान-साधना, राष्ट्र निर्माण विषयक संवाद एवं सात्विक जीवन शैली पर आधारित दिनचर्या सत्रों का संचालन करेंगे।

खुशियाँ बाँटने की मिसाल : कर्मचारियों ने बच्चों संग मनाया जन्मदिन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना तथा न्योता भोज के तहत जिला प्रसाशन की अभिनव पहल ÷प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां÷ की शुरुआत की जिसके तहत जिला रायपुर में विभिन विभाग में कार्यरत शासकीय अधिकरियों एवं कर्मचारियों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी जा रही है एवं जन्मदिन आंगनबाड़ी या स्कूल में मनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने ÷प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ÷ के तहत कल 22 लोगों का जन्मदिन था जिसमें से 6 लोगो को फ़ोन कर जन्मदिन की शुभकामनएं दी एवं उनसे अपना जन्मदिन नजदीकी आंगनबाड़ी या स्कूल में मनाने के लिए प्रोत्साहित किया था 7 इस प्रोजेक्ट के तहत शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी स्कूली बच्चों को पौष्टिक आहार दे उनसे मिले और उनके साथ खुशियाँ बांटे इसी कड़ी में आज स्वास्थ्य सुपरवाइजर श्रीमती मंजू घोष ने आगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर बच्चों को खीर पूड़ी खिलाकर अपना जन्मदिन मनाया, व्याख्याता श्रीमती गायत्री पटेल ने रविशंकर शुक्ल परिसर स्थित स्कूल में बच्चों को केक, चॉकलेट एवं पेंसिल भेंट कर मनाया एवं स्वास्थ्य कर्मचारी श्रीमती कुसुम घोष ने आंगनबाड़ी केंद्र लालपुर के बच्चों के साथ केक काटकर और बिस्किट बांटकर मनाया।

प्रोजेक्ट के तहत आज कलेक्टर डॉ सिंह ने 9 कर्मचारियों से फोन में बात कर जन्मदिन की पूर्व संध्या शुभकामनाएं दी। साथ ही जिला प्रशासन की तरफ से 9 कर्मचारियों को एसएमएस से ई-कार्ड के माध्यम से जन्मदिन का बधाई संदेश भेजा गया एवं नजदीकी आंगनबाड़ी अथवा स्कूल की जानकारी दी गई।

महापौर और आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्त स्वास्थ्य ने जोन 8 कार्यालय में की सफाई सम्बंधित कार्य समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर गार्बेज फ्री सिटी श्रेणी में छत्तीसगढ़ का पहला 7 स्टार शहर है, निगम क्षेत्र में कहीं भी कोई मुक्कड़ नहीं दिखना चाहिए, रामकी कम्पनी प्रतिदिन सभी 70 वार्डो के समस्त घरों से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन प्राथमिकता से निरन्तर सुनिश्चित करे 0

रायपुर - लोकशक्ति

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर पालिक निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय ने नगर निगम के सभी 10 जोन कार्यालयों में जाकर जोन कमिश्नरों, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता श्री रघुमणि प्रधान, जोन स्वास्थ्य अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षकों, वार्ड सफाई सुपरवाइजरों, रामकी कम्पनी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जोन क्षेत्र अंतर्गत वार्डों के सफाई सम्बंधित कार्यो की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश जोन कमिश्नरों और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों, रामकी कम्पनी के प्रतिनिधियों को दिए है।

नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय ने जोन क्रमांक 8 कार्यालय में जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता श्री रघुमणि प्रधान, जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन की उपस्थिति में बैठक लेकर वार्डों के अनुबंधित सफाई ठेकेदारों के कार्यों, सफाई ठेका कामगारों की वार्डवार निर्धारित संख्या, दैनिक उपस्थिति की जानकारी लेकर प्रतिदिन शत- प्रतिशत संख्या में सफाई ठेका कामगारों की कार्य पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

यहां उल्लेखनीय है कि महापौर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष, आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य ने विगत दिवस हाल ही में नगर निगम के सभी 10 जोनों के जोन कमिश्नर कार्यालयों में जोन स्वास्थ्य विभागों की सफाई सम्बंधित समस्त कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक लेकर सम्बंधित जोन कमिश्नरो और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों सहित जोन के सम्पूर्ण स्वच्छता अमले के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित रामकी कम्पनी के सम्बंधित प्रतिनिधियों को आवश्यक निर्देश दिए है।

सफाई सम्बंधित समस्त कार्यों की जोनवार समीक्षा करते हुए नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय ने निर्देश दिए कि रायपुर नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र में कहीं पर भी किसी भी स्थान पर कोई मुक्कड़ नहीं दिखना चाहिए. रायपुर शहर गार्बेज फ्री सिटी में छत्तीसगढ़ राज्य का पहला 7 स्टार शहर है।

नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय ने रामकी कम्पनी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि रायपुर नगर पालिक निगम के अंतर्गत समस्त 10 जोनों के तहत सभी 70 वार्डों के क्षेत्रों के अंतर्गत समस्त घरों से प्रतिदिन नियमित शत - प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाये।

नकली पनीर फैक्ट्री का भंडाफोड़ : नाले पर बन रहा था जहरीला खाद्य पदार्थ

पाम ऑयल, फैट और दूध पाउडर से बनता था नकली पनीर, ओडिशा तक होती थी सप्लाई

रायपुर (संवाददाता)।

राजधानी के शंकर नगर क्षेत्र में नकली पनीर बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने छापा मारकर बड़ी मात्रा में नकली पनीर, कच्चा माल और पैकिंग सामग्री जब्त की है। यह फैक्ट्री नाले के ऊपर अस्वच्छ माहौल में चलाई जा रही थी।

जांच में सामने आया है कि फैक्ट्री में सस्ते और घटिया क्वालिटी के पाम ऑयल, फैट के डब्बे और दूध पाउडर से नकली पनीर तैयार किया जा रहा था। फैक्ट्री संचालक रामानंद बाघ ने ÷एनालॉग उत्पाद÷ का लाइसेंस ले रखा था, लेकिन इसका दुरुपयोग कर वह नियमों को नजरअंदाज करते हुए खाद्य सुरक्षा मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहा था। पॉलीथिन में पैक कर यह नकली पनीर न सिर्फ रायपुर के होटलों और ढाबों में, बल्कि ओडिशा तक सप्लाई किया जा रहा था। जांच के दौरान जब्त पैकिंग सामग्री, थर्माकोल डिब्बे, और स्टोरेज की स्थिति बेहद चिंताजनक पाई गई। फैक्ट्री संचालक ने पूछताछ में बताया कि एक किलो नकली पनीर 180 रुपये की लागत से तैयार होता है, जिसे वह 240-250 रुपये प्रति किलो तक बेचता था। इस तरह न केवल लोगों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा था, बल्कि खाद्य नियमों की खुली अवहेलना भी हो रही थी। स्वास्थ्य विभाग ने जब्त सामग्री की लेबोरेटरी जांच के लिए सैंपल भेज दिए हैं और मामले में कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी इस अवैध फैक्ट्री के खिलाफ शिकायतें की थीं, जिसके बाद यह कार्रवाई संभव हो पाई।

संपादकीय

वैश्विक बाजार में पकड़ बनाता भारत

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को जबरदस्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लेकिन लगता है कि असली फायदा भारत को मिलने वाला है।

भारत से 99 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क श्रेणियां खत्म होंगी। दोनों देशों में व्यापार 34 अरब डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच तीन साल की बातचीत के बाद इस व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया है। समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं बस ब्रिटेन की संसद को इसे मंजूरी की औपचारिकता बाकी है। अब भारतीय वस्तुओं के लिए सभी क्षेत्रों में व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित होने की उम्मीद है। व्यापार समझौते के बाद भारतीय वस्त्र, जूते, रत्न एवं आभूषण, समुद्री खाद्य और इंजीनियरिंग वस्तुओं को ब्रिटेन में बेहतर बाजार मिलेगा और कृषि उत्पादों एवं प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग को वृद्धि के नये अवसर मिलेंगे।

नशे में समाज या समाज में नशा? नशीले पदार्थों की तस्करी चुनौती।

देश में कई गुना लगातार हो रही ड्रग्स की सप्लाई और तस्करी ने देशभर में अपराधों का इजाफा कर दिया है पूरा युवा वर्ग नशे में लड़खड़ा कर डोल रहा है। युवा बुजुर्ग यहां तक छोटे-छोटे जवान होते बच्चे भी नशे का शिकार हो चुके हैं। शराब, गांजा, भांग और ड्रग्स जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों को लेने का जन्म सिद्ध अधिकार समझ उसका भयानक तरीके से सेवन करने में लगे हैंद्य नशीले पदार्थों की इस बार खपत पिछ्ली बार की तुलना में लगातार बढ़ती जा रही है। नशीले पदार्थों से हुई अपराधिक गतिविधियों में हुई तेजी शासन, प्रशासन तथा पुलिस के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय, अंतर राज्यीय तस्करी देश तथा विश्व के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी हुई है यह चुनौती इसलिए भी है कि पिछ्ले वर्ष में अपराधियों ने सूखे नशे का सेवन कर अपराध की वारदातें की हैं, नशे की लत में आकर अपराधियों में महानगरों मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई में लगातार बलात्कार, लूट, डकैती,और राहगीरों की हत्या को जन्म दिया है दूसरी तरफसूखे नशे की लत में स्कूल और कॉलेज के युवा तथा बच्चे अपना भविष्य खराब करने पर आमादा है पिछ्ले कुछ माह में मुंबई नारकोटिक्स इकाई ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चरस, कोकीन, गांजा, स्मैक की बड़ी तादाद में जप्त कर कई नामचीन अभिनेता, अभिनेत्रियों को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय के हवाले किया था दूसरी तरफ पंजाब,उत्तर प्रदेश, दिल्ली,बेंगलुरु, कोलकाता में भी पुलिस प्रशासन द्वारा सीधे कड़ी कार्रवाई की थी

वर्तमान में शराब तो सामाजिक बुराई बना ही हुआ है साथ मे सूखा नशा भी समाज के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, सुखे नशे के मामले में केंद्र सरकार के सर्वोच्च नेतृत्व में यानी प्रधानमंत्री ने भी गंभीरता पूर्वक इसे रोकने के लिए चिंता जताई है। देश में न सिर्फड्रग्स के नशे का इस्तेमाल किया जा रहा है बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी कर अवैध कारोबार भी किया जा रहा है ड्रग्स का नशा सामाजिक विडंबना बना हुआ है तब देश में नए वर्ष के आगमन के पूर्व बड़े-बड़े आलीशान होटलों में सूखे नशे की पार्टियां आयोजित करने की तैयारी कर ली जाती है, ऐसे में पुलिस के केंद्र सरकार के तथा राज्य सरकार के आला अधिकारी इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास की रणनीति बनाने में जुट जाना चाहिए और शासन तथा पुलिस प्रशासन को अपना पूरा ध्यान सूखे नशे को प्रतिबंधित कर देने में लगाना होगा। मूलतः मुंबई गोवा और समुद्र मार्ग से पाकिस्तानी सरहद से लगे क्षेत्र और राज्य से सूखे नशे पदार्थों की आवक सभी राज्यों में होती है निसंदेह इसे गंभीर षड्यंत्र के रूप में लिया जाना चाहिए मुंबई सूखे नशे का एक बड़ा केंद्र बन चुका है, सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या प्रकरण को लेकर जब पुलिस के आला अधिकारी को नशीले पदार्थों रेकेट हाथ लगा तब राज्य तथा केंद्र के कान खड़े हो गए थे, तब से पूरे देश में ताबड़तोड़ नशे के विरोध में कार्रवाई की गई थी। इसी तारतम्य में देश को यह बात समझ में आई कि सूखे नशे की लत में बड़े शहरों के तमाम पूंजीपति नशे के आदी हो चुके परिस्थितियां बहुत गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है।

नए वर्ष के आगमन और होली की सेलिब्रेशन में तमाम नशीले पदार्थों की सप्लाई करने वाले तस्कर अपनी तैयारी में जुट जाते हैं देश के सभी राज्यों में नशीले पदार्थों के विरोध में केंद्र के निर्देश पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और युवा वर्ग बच्चों को सोशल मीडिया के द्वारा भी इसकी बुराई के संबंध में लगातार अवगत कराया जा रहा है एवं इस बुराई से दूर रहने का आह्वान किया गया है, देश के बड़े-बड़े रिसोर्ट, जंगल के पिकनिक स्पॉट, देश की मुख्य सड़कों के आसपास ढाबों के संचालकों पर भी नजर रखने की योजना को मूर्त रूप दिया जाना है ताकि अपराधों में कमी आ सके ,शराब से तो अपराध होते ही हैं।

यह निजी विचार है।

रक्षाबंधन : नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनर्संवेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फभाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है।

आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए।

मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दर्शाती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है।

रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाज़ारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें।

आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में 'अवनी अविट्टम' के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और श्रीमद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को 'बलेव' के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है - अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा, और स्वार्थ के स्थान पर सेवा।

आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहाँ पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधिकतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं।

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बाँधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के ये धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान।

यह निजी विचार है।

देश की फिजां में अचानक रिटायरमेंट की चर्चा

अजीत द्विवेदी

बड़े आश्चर्य की बात है कि अचानक देश की फिजां में रिटायरमेंट की चर्चा शुरू हो गई। जिधर सुनिए उधर रिटायरमेंट की बातें हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल 17 सितंबर को 75 साल के होने वाले हैं और उससे पहले रिटायरमेंट की चर्चा हो रही है, उसका महत्व व जरुरत समझाई जा रही है और रिटायरमेंट के बाद की योजनाओं की चर्चा हो रही है। क्या यह महज एक संयोग है या इन चर्चाओं की टाइमिंग का कुछ और इशारा है? राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरसंघचालक ने 75 साल की उम्र में रिटायर होने की आवश्यकता बताई तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रिटायर होने के बाद की अपनी योजना बताई।

उधर देश के जाने माने वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने 70 साल की उम्र में रिटायरमेंट की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि अब वे प्रैक्टिस नहीं करेंगे। इस बीच भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने याद दिलाया कि लालकृष्ण आडवाणी 90 साल की उम्र तक सांसद रहे थे। इस तरह उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी अगले कई बरसों राजनीतिक रूप से सक्रिय बने रहने का संकेत दिया।

इन बयानों और घटनाक्रमों पर विचार करने से पहले यह देखने की जरुरत है कि क्या सचमुच भाजपा में 75 साल की उम्र में रिटायर होने का कोई नियम है? अगर नहीं है तो क्यों प्रधानमंत्री मोदी के 75 साल का होने को इतना मुद्दा बनाया जा रहा है? ध्यान रहे 75 साल की उम्र में रिटायर किए जाने का कोई घोषित नियम नहीं है। हालांकि अघोषित रूप से इसे लागू किया गया है। भले हर बार 75 की उम्र पर नेताओं को रिटायर नहीं कराया गया हो लेकिन नेताओं को रिटायर कराने में उम्र एक पैमाना बना है। लालकृष्ण आडवाणी से लेकर मुरली मनोहर जोशी और शांता कुमार से लेकर सुमित्रा महाजन और बाबूलाल गौर तक अनेक मिसाल है, जब उम्र के आधार पर नेताओं को घर बैठा दिया गया।

हालांकि 75 साल से ज्यादा उम्र के अनेक नेताओं को भाजपा ने चुनाव लड़ाया है। सबसे ताजा मिसाल झारखंड में रामचंद्र चंद्रवंशी की है, जिनको भाजपा ने पिछले साल 79 साल की उम्र में विश्रामपुर विधानसभा सीट से टिकट दिया था। ऐसी मिसाल हर राज्य में है। अब सवाल है कि जब उम्र की सीमा आधिकारिक रूप से तय नहीं की गई है फिर नरेंद्र मोदी के 75 साल की उम्र में रिटायर होने के कयास क्यों लगाए जा रहे हैं और क्यों इस तरह की बातें हो रही हैं, जिनसे उनके ऊपर दबाव बने?

इसका जवाब पिछले साल के लोकसभा चुनाव के नतीजों में देखा जा रहा है। पिछले साल लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरी भाजपा चार सौ सीट के लिए लड़ रही थी। लेकिन भाजपा को 240 सीटें मिलीं। 2019 के मुकाबले उसको 63 सीटों का नुकसान हुआ। उसके बाद मोदी और उनकी टीम बैकफुट पर आई। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू सहित अन्य घटक दलों के समर्थन से सरकार बनी। हालांकि उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में चुनावी जीत से प्रधानमंत्री का कांफिडेंस वापस लौटा।

इसके बाद उन्होंने विदेश के धुआंधार दौरे किए और एक साल के अंदर उन्होंने 12 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान हासिल किया। उनके 11 साल के कार्यकाल में पहले 10 साल में 14 सम्मान मिले थे लेकिन तीसरे कार्यकाल के पहले साल में 12 सम्मान मिले। इस तरह उन्होंने घरेलू राजनीति की कमजोरी को वैश्विक मंच पर विश्वगुरू के रूप में स्थापित होने के नैरेटिव से बदलने का प्रयास किया। लेकिन ऐसा लग रहा है कि इसमें बहुत कामयाबी नहीं मिली है।

बहरहाल, आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत का बयान बहुत दिलचस्प है। उन्होंने हिंदुवादी विचारक मोरोपंत पिंगले के ऊपर लिखी एक किताब के विमोचन में कहा, 'जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है तो समझिए कि दूसरों का मौका देने का समय आ गया है। आपको किनारे हो जाना चाहिए'। यह बात उन्होंने अपने संदर्भ में कही। ध्यान रहे संघ प्रमुख भी 11 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं। तभी यह कयास लगाया जा रहा है कि क्या मोहन भागवत भी रिटायर होंगे और इससे प्रधानमंत्री मोदी के ऊपर रिटायर होने का दबाव बनेगा? हालांकि संघ में भी 75 साल की उम्र में रिटायर होने का नियम नहीं है।

मोहन भागवत से पहले केएस सुदर्शन संघ प्रमुख थे और 78 साल की उम्र में सेहत की वजह से रिटायर हुए। फिर भी अगर मोहन भागवत कुछ इशारा कर रहे हैं तो उसका कोई न कोई मतलब है। कहा जा रहा है कि भाजपा के अंदर भी संघ से नजदीकी रहने वाले कई नेता हैं, जो चाहते हैं कि 75 साल की उम्र में रिटायर होने का नियम प्रधानमंत्री मोदी पर भी लागू हो। परंतु मुश्किल यह है कि कोई भी यह बात खुल कर नहीं कह रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रिटायरमेंट की चर्चा की। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि वे रिटायर होने के बाद योग, ध्यान करेंगे। वेद, उपनिषद पढ़ेंगे और बागवानी करेंगे। इसका मतलब है कि वे अंतिम समय तक किसी पद पर बने रहने या राजनीति में सक्रिय रहने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। ध्यान रहे भारत में हर नेता की इच्छा यही रहती है कि वह पद रहते हुए ही अंतिम सांस ले। उम्र बची रहे और स्वेच्छा से कोई राजनीति से रिटायर हो जाए यह दुनिया के दूसरे आधुनिक, लोकतांत्रिक, पूंजीवादी, उपभोक्तावादी देशों में तो होता है लेकिन भारत में, जहां त्याग और अध्यात्म की महिमा बखानी जाती है वहां नहीं होता है।

इसलिए अमित शाह की कही बात का बहुत महत्व है। वे अभी 61 साल के होने वाले है और उन्होंने योग, ध्यान, एक्सरसाइज से अपने को पहले से काफी फिट बनाया है। सोचें, 61 साल की उम्र में वे रिटायर होने के बाद की योजना पर चर्चा कर रहे हैं! वे कब रिटायर होंगे यह नहीं कहा लेकिन उसके बाद की जो योजना बताई उसके हिसाब से शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हुए, एक निश्चित उम्र में रिटायर हो जाना होगा। सवाल है कि क्या उन्होंने भी प्रधानमंत्री को कोई इशारा दिया? कहा नहीं जा सकता है। पिछले चुनाव के समय अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी के सितंबर 2025 में रिटायर होने की बात कही थी और कहा था कि इस बार चुनाव अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए हो रहा है।

तब अमित शाह ने इसका कड़ा प्रतिवाद किया था और कहा था कि चुनाव के बाद मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे और 2029 में भी मोदी ही नेतृत्व करेंगे। यही बात भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने भी कही है। उन्होंने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी 90 साल की उम्र तक सांसद रहे। यह सही है कि आडवाणी 2014 का चुनाव लड़े थे और तब उनकी उम्र 84 साल थी। इसके बाद पांच साल वे सांसद रहे। जो हो इस बार प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन बहुत खास हो गया है। मोहन भागवत 75 साल पूरे करने पर क्या करते हैं और मोदी क्या करते हैं इस पर सबकी नजर होगी। अगर भागवत रिटायर होते हैं और मोदी नहीं होते हैं तो क्या होगा? अगर दोनों होते हैं तो क्या होगा और अगर दोनों रिटायर नहीं होते हैं तो क्या होगा? इन सवालों का जवाब सितंबर में और उसके बाद की राजनीति में मिलेगा।

यह निजी विचार है।

चलो इस बार रक्षाबंधन को राष्ट्र बंधन के रूप में मनाते हैं

लेखक :डॉ. मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का एक अद्वितीय पर्व है, जहाँ केवल रेशमी धागा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और उत्तरदायित्व की अटूट गांठ बाँधी जाती है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से एक आदर्श सामाजिक संरचना के दर्शन भी होते हैं। लेकिन क्या यह भावना मात्र पारिवारिक दायरे में सिमटी रहनी चाहिए? क्यों न इस बार रक्षाबंधन को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर 'राष्ट्र बंधन' के रूप में मनाया जाए?

जब बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बाँधती हैं, तो वे सिर्फउनकी शारीरिक रक्षा का संकल्प नहीं लेतीं, बल्कि उनके जीवन में नैतिकता, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की भी रक्षा का दायित्व सौंपती हैं। यदि हम इस पर्व को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों की पुनःस्मृति का माध्यम बनाएं, तो यह उत्सव निजी भावना से ऊपर उठकर राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बन सकता है। कल्पना कीजिए, यदि हम सब नागरिक भारत माता की कलाई पर एक संकल्प-सूत्र बाँधें, तो यह राखी मातृभूमि की सेवा, सुरक्षा और समर्पण का महापर्व बन जाएगी।

रक्षा-सूत्र को हम केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प बना सकते हैं - एक वर्ष, राखी पर्यावरण को समर्पित कर नदियों, वनों, पर्वतों, वायु और जैव विविधता की रक्षा का व्रत ले सकते हैं; तो दूसरे वर्ष, राखी संविधान को समर्पित करें के स्वतंत्रता, समानता, और बंधुत्व की भावना को जीवंत रख सकते हैं; तीसरे वर्ष, एक राखी भारतीय सेना को समर्पित कर के सैनिकों के अदम्य साहस और बलिदान को प्रणाम कर सकते हैं;अगले साल एक राखी किसानों के नाम कर के अन्नदाताओं की कठिन तपस्या को सम्मान दे सकते हैं; तो कभी एक राखी सामाजिक समरसता के लिए बाँध कर जाति, धर्म, भाषा और प्रांत के भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता का संकल्प ले सकते हैं। अतः सरकार को चाहिए कि हर वर्ष इस पर्व को एक विशिष्ट राष्ट्रीय विषय से जोड़े, जैसे इस वर्ष सैनिकों के सम्मान में, अगले वर्ष स्वच्छता कर्मियों के नाम, फिर श्रमिकों के नाम, फिर वन रक्षकों, शिक्षकों, चिकित्सको ,वैज्ञानिकों या तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में योगदान देने वालों के नाम।

भारत एक विविधताओं से भरा देश है, पर इन विविधताओं के बीच समरसता ही हमारी पहचान है। यदि रक्षाबंधन को ÷राष्ट्र बंधन÷ के रूप में मनाया जाए, तो यह पर्व केवल एक पारिवारिक रिवाज न होकर राष्ट्रीय एकता और उत्तरदायित्व का महोत्सव बन सकता है।

आवश्यक है कि हम रक्षा सूत्र को नया अर्थ दें।आज जब राष्ट्र बाहरी खतरों से अधिक आंतरिक विघटन, वैचारिक भ्रम और सांस्कृतिक संकटों से जूझ रहा है, तब ÷रक्षा÷ का अर्थ केवल बाहरी आक्रमण से नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा,संवेदनाओं, संस्कारों और आदर्शों की रक्षा से भी जुड़ता है।ऐसे समय में रक्षा सूत्र को बहन-भाई तक सीमित न रखें। पति-पत्नी, गुरु-शिष्य, मित्र-सखी - सभी एक-दूसरे को और स्वयं को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों की याद दिलाते हुए यह रक्षा-सूत्र बाँधें। बहनें भाइयों की कलाई पर बाँधने के साथ अपनी कलाई पर भी भारत माता की सेवा का संकल्प सूत्र बाँधें।

समाज में यह चेतना जागे कि राष्ट्र ही हमारा सबसे बड़ा परिवार है। भारत माता हम सबकी शक्ति, प्रेरणा और संरक्षण की केंद्रबिंदु है। जब यह भाव प्रत्येक नागरिक के हृदय में बस जाएगा, तब हर पर्व राष्ट्रीय पर्व बन जाएगा और हर संबंध राष्ट्र धर्म से जुड़ जाएगा।

तो आइए, इस बार हम रक्षाबंधन को 'राष्ट्र बंधन' के रूप में मनाएं - जहाँ प्रेम का धागा केवल भाइयों की कलाई ही नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी बाँधे। यही पर्व की सच्ची सार्थकता होगी।

यह निजी विचार है।

भविष्य की प्रौद्योगिकियों तथा रोजगार नियोजन में कौशल विकास

पीआईबी। कौशल भारत मिशन (एसआईएम) के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से कौशल, पुनः कौशल और अप-कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस), देश भर में समाज के सभी वर्गों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। एसआईएम का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना तथा उन्हें नए युग/भविष्य के कौशल सहित उद्योग प्रासंगिक कौशल से सुसज्जित करना है।

नए युग/भविष्य के कौशल एआई/एमएल, रोबोटिक्स, ईवी, डेटा सेंटर आदि में बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संरेखित करने के लिए एमएसडीई ने निम्नलिखित विशिष्ट कदम उठाए हैं:

(i) पीएमकेवीवाई के अंतर्गत, आगामी बाजार मांग और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप, एआई/एमएल, रोबोटिक्स, ईवी, मेकाट्रॉनिक्स, ड्रोन तकनीक आदि जैसे क्षेत्रों में 200 से अधिक नए युग/भविष्य के कौशल वाली नौकरियों को उद्योग 4.0 आवश्यकताओं के साथ विशेष रूप से संरेखित किया गया है। पीएमकेवीवाई के अंतर्गत, 30 जून 2025 तक 4,32,712 उम्मीदवारों को ऐसे नए युग/भविष्य के कौशल वाली नौकरियों में प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(ii) एनएपीएस के अंतर्गत, नए युग/भविष्य के कौशल से संबंधित व्यवसायों में प्रशिक्षुता के अवसर उपलब्ध हैं। एनएपीएस के अंतर्गत, 30 जून 2025 तक, 31,750 उम्मीदवारों को नए युग/भविष्य के कौशल से संबंधित 69 व्यवसायों में प्रशिक्षित किया गया है।

(iii) एमएसडीई के तत्वावधान में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने 5जी नेटवर्क, एआई/एमएल, साइबर सुरक्षा, ड्रोन प्रौद्योगिकी आदि जैसे उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) में 31 नए युग/भविष्य कौशल पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। सीटीएस के तहत, सत्र 2022 से 2024 तक 52,882 उम्मीदवारों को नए युग/भविष्य कौशल पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।

(iv) डीजीटी ने सीएसआर पहलों के तहत राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर संस्थानों के लिए उद्योग संपर्क स्थापित करने हेतु आईबीएम, सिस्को, फ्यूचर स्किल राइट्स नेटवर्क, अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) और माइक्रोसॉफ्ट जैसी आईटी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। ये साझेदारियाँ आधुनिक तकनीकों में तकनीकी और व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के प्रावधान को सुगम बनाती हैं।

(1) सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में अहमदाबाद और मुंबई में स्थापित भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) उद्योग के लिए उद्योग-तैयार कार्यबल का एक पूल बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जो अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण से सुसज्जित हैं।

भारत मंडपम में आज 11वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाएगा

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि होंगी

केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह और विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा उपस्थित रहेंगे

पीआईबी। वस्त्र मंत्रालय 7 अगस्त, 2025 को 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर जीवंत हथकरघा उत्सव मनाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह, माननीय केंद्रीय विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्र मार्गेरिटा, श्रीमती नीलम शमी राव, सचिव (वस्त्र) और डॉ. एम. बीना, विकास आयुक्त (हथकरघा) इस समारोह में उपस्थित रहेंगे। इनके अलावा इस अवसर पर विदेशी खरीदार, प्रतिष्ठित हस्तियां, निर्यातक, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी आदि भी समारोह में शामिल होंगे। देशभर से लगभग 650 बुनकर इस समारोह में शामिल होंगे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज को उनकी छठी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रहीं।

लगातार बारिश के बाद आईटीबीपी के जवान किन्नर कैलाश यात्रा मार्ग पर बचाव अभियान चला रहे हैं।

भारत ने ग्रीन अमोनिया की कीमत में सफलता हासिल की

2024 में 100.28 रुपये प्रति किग्रा के मुकाबले एसईसीआई की पहली नीलामी में 55.75 रुपये प्रति किग्रा

पीआईबी

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत एक ऐतिहासिक विकास में, एसआईजीएचटी योजना (मोड-2ए) के अंतर्गत हरित अमोनिया की खरीद के लिए एसईसीआई द्वारा आयोजित पहली नीलामी में 55.75 रुपये प्रति किलोग्राम की रिकॉर्ड निम्न कीमत प्राप्त हुई है। इस अग्रणी नीलामी में पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड, ओडिशा को प्रति वर्ष 75,000 मीट्रिक टन ग्रीन अमोनिया की आपूर्ति शामिल है। यह आगामी महीने में 13 नीलामियों की नियोजित श्रृंखला की पहली नीलामी है, जिसकी कुल खरीद क्षमता 7.24 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। खोजी गई कीमत लगभग 641 अमरीकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन है। यह 2024 में एच2ग्लोबल नीलामी में पहले खोजी गई कीमत 100.28 रुपये प्रति किलोग्राम (1,153 अमरीकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन) से काफी कम है। ग्रे अमोनिया की कीमतें 515 अमरीकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन (मार्च 2025 तक) तक पहुंचने के साथ, यह 10-वर्षीय निश्चित मूल्य बोली खरीदारों को अपनी स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण यात्रा शुरू करने के लिए मजबूत आर्थिक तर्क प्रदान करती है। मध्यस्थ खरीदार के रूप में कार्य करते हुए एसईसीआई ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मार्गदर्शन में उर्वरक विभाग और भाग लेने वाले खरीददारों के दृढ़ समर्थन से नीलामी का सफलतापूर्वक संचालन किया है।

बंद कोयला खदानों का पर्यटन स्थलों के रूप में विकास

पीआईबी। जर्मनी, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में कुछ बंद कोयला खदानों का पर्यटन स्थलों, सांस्कृतिक केंद्रों, जलाशयों या औद्योगिक उद्देश्यों के लिए पुनः उपयोग किया गया है।

कोयला और लिग्नाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने विभिन्न पुनः उपयोग पहल शुरू की हैं। इनमें इको-पार्क, खदान पर्यटन स्थल, मनोरंजक पार्क, खदानों में मत्स्य पालन, सौर ऊर्जा परियोजनाएँ और अन्य समुदाय-उन्मुख सुविधाओं का विकास जैसे कुछ उल्लेखनीय उदाहरण शामिल हैं: साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में बिश्रामपुर (केनापारा) और अनन्या वाटिका

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में साओनेर इको पार्क सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में केरकेट्टा खदान में कायाकल्प वाटिका और मत्स्य पालन महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में ओरिएंट खदान संख्या 4 में सी.एस. आज़ाद इको पार्क ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में झांझरा में सिंदूर इको पार्क और आम का बाग भारत कोकिंग कोल लिमिटेड में पारसनाथ उद्यान भारत में कोयला खदानों को बंद करने और उनका पुनः उपयोग अब कोयला और लिग्नाइट ब्लॉकों के लिए खनन योजना और खदान बंद करने की योजना-2025 तैयार करने के

दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है। ये दिशानिर्देश वैज्ञानिक और सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार खदान बंद करने पर बल देते हैं। इसमें भूमि पुनर्ग्रहण, पर्यावरणीय पुनर्स्थापन और सामुदायिक और आर्थिक लाभ के लिए खनन के बाद उपयोग शामिल है। ये दिशानिर्देश दीर्घकालिक पारिस्थितिक क्षति को कम करने, भूमि को बहुउपयोगी उपयोगों हेतु पुनर्वासित करने और कृषि, मत्स्यपालन, इको-पार्क, जलाशयों के जीर्णोद्धार, हरित ऊर्जा परियोजनाओं और सांस्कृतिक या विरासत संवर्धन जैसी गतिविधियों को एकीकृत करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं। ये दिशानिर्देश सार्वजनिक स्थलों के संचालन और रखरखाव में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को भी प्रोत्साहित करते हैं, रोज़गार को बढ़ावा देते हैं और खनन के बाद भूमि उपयोग की सांस्कृतिक प्रासंगिकता को बढ़ाते हैं।

कोयला/लिग्नाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम वर्तमान में देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ा रहे हैं। ऐसे मामलों में जहाँ संसाधन समाप्त होने के कारण कोई खदान बंद हो जाती है, स्थायी श्रमिकों को अन्य चालू खदानों में पुनः तैनात किया जाता है। इससे रोज़गार की निरंतरता सुनिश्चित होती है।

इसके अतिरिक्त खदान बंद करने के दिशानिर्देशों और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीतियों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम स्थानीय समुदायों के लिए कौशल विकास और आजीविका कार्यक्रम चलाते हैं। इससे रोज़गार क्षमता बढ़ाई और वैकल्पिक आय के अवसर सृजित किए जा सकेंगे। कोयला और लिग्नाइट ब्लॉकों के लिए खनन योजना और खदान बंद करने की योजना तैयार करने हेतु दिशानिर्देश-2025 में अनिवार्य किया गया है कि खदान बंद करने के लिए जमा की गई पाँच-वर्षीय एस्क्रो राशि का कम से कम 25 प्रतिशत सामुदायिक विकास और आजीविका गतिविधियों के लिए उपयोग किया जाना है। इसके अतिरिक्त इन दिशानिर्देशों में यह भी प्रावधान है कि खदान बंद करने की अंतिम लागत का 10 प्रतिशत न्यायोचित परिवर्तन के लिए निर्धारित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि रामलला दर्शन योजना का राजनांदगांव से साकार होना

पीआईबी। माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा जी ने दुर्ग - बस्तर संभाग के यात्रियों को राजनांदगांव से सुबह 11:30 बजे स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आज अयोध्या धाम के लिए ट्रेन रवाना होने के अवसर पर दुर्ग एवं बस्तर संभाग के यात्रियों में भारी उत्साह देखा गया।

राजनांदगांव रेल्वे स्टेशन तीर्थयात्रियों के द्वारा प्रभु श्री राम के लिए लगाये जा रहे जयकारे से गुंजायमान रहा। तीर्थयात्रियों के परिजनों और मित्रों ने इस पुण्य अवसर का साक्षी बन उन्हें सुखद यात्रा की शुभकामनाएँ दी। ट्रेन रवाना होने के पूर्व तीर्थयात्रियों का स्वागत छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकनृत्यों एवं लोकवाद्यों से किया गया। आईआरसीटीसी के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा सभी तीर्थयात्रियों का तिलक लगाकर अभिन्दन किया गया। राजनांदगांव रेल्वे स्टेशन से तीर्थयात्रियों को लेने के बाद ट्रेन दुर्ग रेल्वे स्टेशन से शेष तीर्थयात्रियों को लेकर रवाना हुई।

दुर्ग संभाग के लिए निर्धारित इस ट्रेन को राजनांदगांव के यात्रियों की सुविधा और मांग को देखते हुए श्री नीलू शर्मा जी के अथक प्रयासों से ये ट्रेन अब राजनांदगांव से रवाना होकर दुर्ग और बस्तर संभाग के तीर्थ यात्रियों को दुर्ग स्टेशन से लेकर अयोध्या धाम पहुंचेगी। इस बीच आज तीर्थ यात्रियों,नागरिकों और बी जे पी

कार्यकर्ताओं के बीच भारी उत्साह देखा गया,हर कोई इस अभूतपूर्व पल का साक्षी बनने को बेताब नज़र आ रहा था।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा, दुर्ग विधायक श्री गजेंद्र यादव जी,कांकेर विधायक श्री नीलचंद टेकाम जी, राजनांदगांव के पूर्व सांसद श्री अशोक शर्मा जी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री किरण वैष्णव जी,राजनांदगांव महापौर श्री मधुसूदन यादव जी, श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री योगेश दत्त मिश्रा जी भी मौजूद रहे।साथ ही आईआरसीटीसी, रेल्वे, जिला प्रशासन एवं छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि प्रदेश वासियों को उनके जीवन काल में एक बार प्रभु श्री राम लला के दर्शन (अयोध्या धाम) कराए जाने की राज्य सरकार के घोषणा पत्र अनुसार दिनांक 23/02/2024 को छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड तथा इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन (IRCTC) के मध्य स्व्ह संपादित किया गया था। इसी कड़ी में योजना का शुभारंभ रायपुर संभाग के दर्शनार्थियों को लेकर रवाना होने वाली पहली स्पेशल ट्रेन को रायपुर रेल्वे स्टेशन से दिनांक 05 मार्च 2024 को माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी द्वारा वरिष्ठ मंत्रीगणों, जनप्रतिनिधियों आदि की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। तदुपरान्त 11 मार्च को बिलासपुर संभाग, 19 जून को सरगुजा संभाग,

दिनांक 26 जून को दुर्ग एवं बस्तर संभाग (संयुक्त) से प्रथम स्पेशल ट्रेन में 850 यात्रियों को रवाना किया गया था। इस योजना के अंतर्गत अब तक छत्तीसगढ़ के लगभग 25500 दर्शनार्थियों को दर्शन कराया जा चुका है। प्रभु श्री राम लला दर्शन योजना अंतर्गत अयोध्या धाम के लिए यह स्पेशल सप्ताहिक ट्रेन रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा, बस्तर-दुर्ग (संयुक्त) संभाग के यात्रियों को श्री राम लला अयोध्या धाम दर्शन के लिए निरंतर जारी रहेगी।

सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के लिए तय आधार वर्ष

पीआईबी। मंत्रालय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आधार वर्ष में संशोधन कर रहा है। नए डेटा स्रोतों के संकलन और समावेशन की पद्धति को नवीनतम करके अर्थव्यवस्था में हो रहे संरचनात्मक परिवर्तनों को बेहतर ढंग से प्रदर्शित करने के लिए आधार वर्ष को समय-समय पर संशोधित किया जाता है। जीडीपी और आईआईपी के लिए प्रस्तावित नया आधार वर्ष 2022-23 है तथा सीपीआई के लिए प्रस्तावित आधार वर्ष 2024 है।

सीपीआई के लिए, संशोधित सूचकांक में 2023-24 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण से प्राप्त वस्तुओं की सूची और उनके संबंधित भार का उपयोग किया जाता है। मंत्रालय ने नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के पूंजीगत व्यय निवेश इरादों पर अपना पहला भविष्यदर्शी सर्वेक्षण किया है और सर्वेक्षण के निष्कर्ष प्रकाशित कर दिए गए हैं। मंत्रालय ने निगमित सेवा क्षेत्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए सेवा क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसएसएसई) पर एक प्रायोगिक अध्ययन भी किया है। अगली आर्थिक गणना, यानी 8वीं आर्थिक गणना, कराने का निर्णय अभी लिया जाना बाकी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने आज लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

धान, चावल, रंगीन मोती, स्टोन, ऊन से बना रही हैं सुंदर व आकर्षक राखियां

स्व-सहायता समूह की दीदी आजीविका मूलक गतिविधियों से जुड़कर बनी आत्मनिर्भर

जांजगीर-चांपा 06 जुलाई 2025/ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। जिसके तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जोड़कर उन्हें आजीविका मूलक गतिविधियों से संबल बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में बलौदा विकासखंड अंतर्गत ग्राम रसोटा के स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा राखी त्यौहार के अवसर पर रंग बिरंगी और आकर्षक राखियां तैयार की जा रही हैं। यह राखियां भाई-बहनों के रिश्ते को मजबूत करेंगी। रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधेगी और इस पवित्र रिश्ते को मजबूत बनाएगी। इस बंधन को मजबूत बनाने के लिए ग्राम रसोटा के जागृति स्व सहायता समूह की महिलाएं कड़ी मेहनत से राखियां तैयार कर रही हैं। यह राखियां धान, चावल, रूद्राक्ष, रंगीन मोती, स्टोन, ऊन सहित विभिन्न प्रकार के सजावटी सामग्रियों से बनाई जा रही है। जागृति स्व सहायता समूह की सचिव श्रीमती सुनीता अनंत ने बताया की वे जब से बिहान योजना से जुड़ी हैं तब से घर मे ही रहकर उन्हें रोजगार मिल गया है। गांव की महिलाएं आपस में मिलकर पिछले तीन सालों से लगातार घर में राखियां बनाने का कार्य कर रही हैं। समूह की महिलाओं द्वारा बनाई गई राखियों को जनपद एवं आसपास के हाट-बाजार, दुकानों में बिक्री कर रहें हैं। जिनसे उन्हें लाभ प्राप्त हो रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। इन समूह की दीदियों द्वारा रेशम के धागे, धान, चावल, मूंग, मोती एवं अन्य सजावटी सामग्रियों का उपयोग कर हस्तनिर्मित पर्यावरण-सुरक्षित राखियों का निर्माण किया जा रहा है। यह कार्य न केवल पारंपरिक कला को जीवित रखता है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त भी बना रहा है। रक्षाबंधन के अवसर पर इन राखियों की स्थानीय बाजार में मांग तेजी से बढ़ी है। राखी की बिक्री स्थानीय स्तर पर स्वयं समूह की महिलाओं द्वारा ही की जा रही है।

मां से शराब पीने के लिये पैसे की मांग कर मारपीट

आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर

जांजगीर चांपा -

अपनी मां से शराब पीने के लिए पैसे की मांग कर मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है । मामले का विवरण इस प्रकार है आरोपी राजू साहू निवासी किरारी के द्वारा आये दिन अपनी मां से शराब पीने के लिए पैसे की मांग करता था और पैसा नही देने पर अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करता था । उक्त सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा मे अपराध क्रमांक 356/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना अकलतरा पुलिस द्वारा आरोपी राजू हिरासत मे लेकर पकड़ा जिसको पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार करने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक भास्कर शर्मा, सउनि दाउलाल बरेठ, आर.राजेन्द्र कहरा, भूषण राठौर का योगदान रहा।

बिजली बिल हाफ योजना बंद करना कांग्रेस को बर्दाश्त नही - रमेश पैगवार

जनता के लिए कांग्रेस करेगा मुख्यमंत्री का पुतला दहन

जांजगीर चांपा / प्रदेश सरकार द्वारा बिजली बिल हाफ योजना को बंद कर सीमित करने की साजिश को बर्दाश्त नही करेगी और कल बिजली आफिस के सामने मुख्यमंत्री का पुतला दहन करेगी । उक्त बातें आज प्रेस वार्ता आयोजित कर जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री रमेश पैगवार ने ब्यक्त करते हुए बताया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में जनता की हित के लिए बिजली बिल हाफयोजना लागू किया था जिसमें 400 यूनिट की खपत तक के उपभोक्ताओं को बिजली बिल हाफका लाभ दिया जा रहा था जिसे वर्तमान की भाजपा सरकार ने कल की फैसले में 400 यूनिट की खपत को100 यूनिट तक करने का फैसला लेकर जनता के साथ अन्याय व अत्याचार करने का फैसला लिया है जिसका प्रदेश कांग्रेस पूरजोर विरोध करता है और जनता की फायदे के लिए संघर्ष करेगी । आगे उन्होने बताया कि इससे पहले भी सरकार ने बिजली बिल की दरों में 10से 20 पैसे की बढ़ोत्तरी कर जनता की जेब में डाका डाला था जिसका भी कांग्रेस ने विरोध किया था।इसी तरह बिजली सप्लाई के मामले में सरकार की रवैया लगातर जनता विरोधी नजर आ रहा है और गांव शहर बिजली कटौती की समस्या से जूझ रहा है । यही नहीं अपितु केंद्र सरकार की गलत रवैए के कारण प्रदेश की कोयला , पानी बिजली उत्पादन कंपनियों को खरीदना पड़ रहा है जिसका बोझ जनता को झेलना पड़ रहा है और कोयला पानी बिजली सभी हमारा होने के बावजूद प्रदेश व केंद्र सरकार की अत्याचार के शिकार हो रहे हैं। इस बात को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कल 7अगस्त को जिला मुख्यालय जांजगीर में बिजली आफिस के सामने शाम 5 बजे मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव गिरधारी यादव ,जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक सिद्धिकी , पूर्व नपा अध्यक्ष भगवान दास गढ़वाल , महामंत्री अजित सिंह राणा , जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष देवकुमार पाण्डेय , पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष लोकेश राठौर , ऋषिकेश उपाध्याय , जितेंद्र दिनकर मौजूद थे ।

अभिलाषा का कार्य सराहनीय- वैशाली मरडवार

राजनांदगांव

नगर में संचालित दिव्यांग जनों के कल्याणार्थ शिक्षण प्रशिक्षण सह पुनर्वास संस्थान अभिलाषा में जिले में नव पदस्थ उप संचालक श्रीमती वैशाली मरडवार का आकस्मिक निरीक्षण के लिए पदार्पण हुआ, निरीक्षण के दौरान संस्था के वरिष्ठ संयुक्त सचिव आलोक बिंदल, संस्था के प्रशासक दिलीप श्रीवास्तव, प्राचार्य श्रीमती वंदना तुरहाते सहित समस्त शिक्षक कर्मचारी अपने कार्य पर उपस्थित पाए गए, उपसंचालक मैडम द्वारा कक्षा में पढ़ाई कर रहे बच्चों से भेट कर शिक्षा गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए अध्यापन व्यवस्था की सराहना किया गया, उनके द्वारा रसोई, छात्रावास का अवलोकन करते हुए स्वच्छता सहित संपूर्ण व्यवस्था की सराहना किया गया, श्रीमती मरडवार द्वारा कहा गया कि कोई भी दिव्यांग शिक्षा, स्वास्थ से वंचित न रहे, हमारा मुख्य उद्देश्य दिव्यांग जनों को आत्म निर्भर बनाना है, अधिक से अधिक दिव्यांगजन रोजगार से जुड़े, आत्म निर्भर बनें और आत्म सम्मान की जिंदगी जी सके, यही हमारी और हम सबकी अभिलाषा है। उन्होंने ने कहा आज मुझे अभिलाषा संस्था मे आ कर बहुत अच्छा लगा, नव

पदस्थ उप संचालक मैडम को संस्था के बच्चे स्टाफसहित संरक्षक गौतम पारख , अध्यक्ष संतोष कुमार बोददून, सचिव श्रीमती रूपम सोनछत्रा, कोषाध्यक्ष नीरज बाजपाई, उपाध्यक्ष श्रीमती गीता राठौर, संयुक्त सचिव राजेश अग्रवाल, सदस्य संतोष खंडेलवाल, सुदामा मोटलानी, संजय श्री श्रीमाल, अशोक अग्रवाल, अशोक कोटड़िया, श्रीमती अमृता खंडेलवाल द्वारा शुभकामनाएं दी गई, उक्त जानकारी संस्था के प्रशासक दिलीप श्रीवास्तव द्वारा दी गई।

आधार सॉफ्टवेयर के नए वर्जन यूसी यूनिवर्सल क्लाइंट के संबंध में प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

जांजगीर-चांपा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद, आधार एजेंसी चिप्स अंतर्गत जिला जांजगीर-चांपा एवं सक्ती के आधार ऑपरेटरों को आधार नामांकन एवं अपडेशन हेतु आधार सॉफ्टवेयर के नए वर्जन यूसी यूनिवर्सल क्लाइंट के संबंध में 0-5 साल एवं इससे अधिक उम्र के हितग्राहियों का आधार नामांकन और अपडेट प्रोसेस के संबंध में ऑडिटोरियम जांजगीर में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। ई जिला प्रबंधक श्री सुनील कुमार साहू ने बताया कि प्रशिक्षण में आधार ऑपरेटर्स को आधार नामांकन एवं अपडेशन में यूआईडीएआई द्वारा जारी दस्तावेजों की लिस्ट के संबंध में तकनीकी समस्या और आधार नामांकन के समय महत्वपूर्ण बिन्दुओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आधार के इस नए वर्जन यूसी से ऑनलाइन नामांकन किया जा सकेगा। इसमें जीपीएस डिवाइस की अनिवार्यता को खत्म किया गया है जिससे निरस्त आवेदन की संख्या में कमी आएगी साथ ही रियल टाइम में दस्तावेज वेरिफिकेशन में आसानी होगी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री खुर्शीद आलम ख़ान द्वारा ऑपरेटर्स को प्रशिक्षण में बताया गया कि इस नए वर्जन यूसी यूनिवर्सल क्लाइंट को सभी ऑपरेटर्स उपयोग में लायें और दस्तावेज की जाँच ही आधार नामांकन करें। प्रशिक्षण में डिप्टी कलेक्टर श्री देवेंद्र चौधरी, जिला सक्ती के ई जिला प्रबंधक श्री दुष्यंत सोनी व आधार ऑपरेटर्स उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से पदमनी बाई का संवर गया जीवन

ग्राम तालदेवरी की 79 वर्षीय पदमनी बाई को मिला आशियाना, शासन की योजनाओं से बदली ज़िंदगी

जांजगीर-चांपा

ग्राम पंचायत तालदेवरी की श्रीमती पदमनी बाई पति स्व. गजराम साहू, उम्र 79 वर्ष, जो पूर्व में कच्चे मकान में निवासरत थीं। वर्ष 2022 में उनके पति के निधन के बाद मानसिक और आर्थिक रूप से वे अत्यंत परेशान होने लगी थीं। उनके सामने बड़ी समस्या अपने कच्चे मकान को पक्का करने की थीं। इसी परेशानी से जुझती हुई श्रीमती पदमनी बाई के सामने शासन की महत्वकांक्षी ÷प्रधानमंत्री आवास योजना÷ के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ तो आशा की नई किरण और रोशनी से उनका घर जगमगा उठा। श्रीमती पदमनी बाई को प्रधानमंत्री आवास योजना

ग्रामीण से प्रथम किश्त के रूप में 40,000 की राशि सीधे उनके खाते में प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने मकान की नींव डाली। साथ ही साथ उन्हें मनरेगा से 90 दिवस की मजदूरी और शौचालय निर्माण की राशि भी प्राप्त हुई। दूसरी किश्त 60,000 और तीसरी किश्त 20,000 प्राप्त होने के बाद उन्होंने छत सहित पक्का मकान तैयार किया। शासन की योजनाओं से उन्हें न केवल आश्रय मिला, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान की अनुभूति भी हुई। वृद्धावस्था पेंशन योजना और महतारी वंदन योजना से भी पदमनी बाई को निरंतर सहयोग मिल रहा है। इसके साथ ही उन्हें उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन भी मिला है। शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं से लाभान्वित होने पर वह प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को बार बार धन्यवाद देती हैं।

डोंगरगढ़ में फिर चाकूबाजी का मामला, उठे सवाल

डोंगरगढ़ : चाकूबाजी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बार फिर पुराना बस स्टॉप के पास एक युवक पर चाकू नुमा हथियार से हमला किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल युवक पाले खान को तुरंत डायल 112 के कर्मचारियों द्वारा प्राथमिक उपचार के लिए ष्टाष्ट डोंगरगढ़ लाया गया। इसके बाद उसे राजनांदगांव के मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। आरोपी सलीम खान को थाना पेट्रोलिंग द्वारा गिरफ्तार कर थाने लाया गया जहां कार्यवाही की जा रही है। हालांकि यह सवाल फिर से खड़ा हो रहा है कि जब पुलिस लगातार कार्यवाही करती है फिर भी चाकूबाजी की घटनाएं थमने का नाम क्यों नहीं ले रही हैं। क्या डोंगरगढ़ में चाकूबाजी एक सामान्य बात बन चुकी है? पुलिस क्यों नहीं प्रभावी ढंग से इस पर रोक पा रही है? क्या अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्यवाही अपर्याप्त है या फिर पुलिस को और अधिक सख्ती की जरूरत है? इन सवालों के जवाब तो समय ही देगा लेकिन इस तरह की घटनाएं जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

व्यंकटेश झूलनोंत्सव का आज अंतिम दिन.........

मन की भ्रम, बुद्धि और ज्ञान का लोक पाप का ही यह परिणाम हैं, इसलिए हर व्यक्ति को कर्म करते समय सावधानी बरतनी चाहिए ....स्वामी राम कृष्णाचार्य जी महाराज

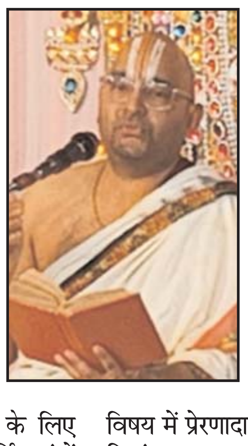

जांजगीर-चांपा । हर व्यक्ति को परम भागवत मानकर साधु-संतों और प्रकांड विद्वानों की सेवा करनी चाहिए , ये ही भागवत का स्वरूप हैं । परम भागवत वह व्यक्ति होता हैं जो भगवान की भक्ति में सदैव लीन रहता हैं और उसके आचरण में हर व्यक्ति को परम भागवत मानकर सेवा करता हैं , उक्त उद्गार अग्रसेन भवन नैला-जांजगीर में श्रीजी 1008 कंस्ट्रक्शन कंपनी के सौजन्य से आयोजित व्यंकटेश झूलनोंत्सव -2025 के दौरान कालक्षेप (प्रवचन) के दौरान कथा व्यास परम-पूज्य श्रीश्री रामकृष्णाचार्य स्वामी जी महाराज ने कही ।

झूलनोंत्सव पर प्रतिदिन झांकियां सजाई जा रही हैं .. .... दिनांक 03 अगस्त से 07 अगस्त 2025 तक झूलनोंत्सव का आयोजन अग्रसेन भवन स्टेशन रोड जांजगीर नैला में किया जा रहा हैं । इटारसी मध्यप्रदेश से पहुंचे रामकृष्णाचार्य जी महाराज का सबसे पहले व्यासपीठ पर पहुंचने पर कैलाश अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल,कमल बसईवाल, आनंद अग्रवाल, अंकित बसईवाल, आदर्श अग्रवाल देवेश बसईवाल, शशिभूषण सोनी, पूर्व पार्षद श्रीमति शशिप्रभा सोनी सहित अन्यान्य ने माल्यार्पण से स्वागत किया । स्वामी जी ने कहा कि भगवान के अपचार से बचने के लिए हमें भगवान की प्रतिदिन पूजा और भक्ति करनी चाहिए और उनकी कृपा तथा आशिर्वाद के प्रति कृतज्ञता दिखानी चाहिए । उन्होंने कहा कि भगवान के अपचार या अपराध से बचने के लिए श्रीमद्भागवत गीता और अन्य धार्मिक ग्रंथों में विस्तार से वर्णित हैं । भगवान के अपचार से तात्पर्य भगवान की भक्ति और पूजा में की जाने वाली गलतियां या अपराध से हैं । उन्होंने कहा कि संसार में ऐसा कोई भी मनुष्य नहीं हैं जिसमें कोई न कोई दोष न हो या जिससे कभी गलती न होती हो अतएव मन का भ्रम, बुद्धि और ज्ञान का पाप का ही यह परिणाम हैं, इसलिए हर व्यक्ति को सावधानी से बचकर रहना चाहिए । इस अवसर पर स्वामी जी श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित 10 निरुपण अपचार के विषय में बारी-बारी से समझाया । उन्होंने शरीर निरुपण, आश्रम निरुपण, अवैध निरुपण, आलस्य निरुपण, वाद निरुपण,बंधु निरुपण, प्रकाश निरुपण के विषय में प्रेरणादायक उद्धरण पेश किया । दिनांक 07 अगस्त, 2025 को झूलनोत्सव का अंतिम दिन हैं । इस अवसर पर दोपहर 12ः 30 बजें से अग्रसेन भवन नैला-जांजगीर के उत्सव स्थल पर महाप्रसाद रखा गया हैं । बसईवाल परिवार ने इस अवसर पर श्रद्धालु भक्तों को स्त्रोत पाठ, लाल सरकार जी की आरती, कालपेक्ष, छंदावली पाठ,कथा महात्म्य श्रवण और महाप्रसाद का आयोजन ।

खास खबर

गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ की श्रृंखला पर हो रहा कार्य

कोरबा, । अखिल विश्व गायत्री परिवार ने सप्त क्रांति के अंतर्गत कई प्रकार की गतिविधियों को क्रियान्वित किया है। इसके तहत गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ की श्रृंखला पर कार्य किया जा रहा है। गायत्री प्रज्ञापीठ बालकोनगर भदरापारा क्षेत्र में इस अभियान का शुभारंभ करने के साथ जन जागरण किया गया। काफी संख्या में परिव्राजक इसमें शामिल हुए। बताया गया कि गायत्री की महिमा को प्रचारित करना इसका उद्देश्य है। भारत की प्राचीन संस्कृति में धर्म तत्व की प्रधानता रही है और इसलिए लोगों में इसकी स्वीकार्यता बढ़ाई जाएगी।

अमृत अध्यक्ष व चंद्रा सचिव बने

कोरबा,। एसकेएमएस गेवरा एरिया की बैठक यूनियन कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में गेवरा एरिया अध्यक्ष एल.पी.अघरिया व महामंत्री दीपक उपाध्याय उपस्थित थे। केंद्रीय कर्मशाला की नई कार्यकारिणी गठित करने के लिए यह बैठक बुलाई गई थी, जिसमें अमृत साहू को अध्यक्ष व एल.पी.चंद्रा का सचिव बनाया गया। इन दोनों पदाधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि आने वाले दिनों में संगठन और मजबूत होगा। कोयला कामगारों के सभी कार्य किए जाएंगे। सभी विभागों में जाकर लोगों से मुलाकात की जाएगी।

गलत दिशा से आ रहे वाहन ने बाइक को लिया अपनी चपेट में-मृत्यु

कोरबा जिले के पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक में ग्राम चोटिया चैक के समीप सड़क पार कर रहे एक मोटरसाइकिल सवार को गलत दिशा से आ रहे कथित वाहन स्वराज माजदा के चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गई। मामले में पुलिस ने दुर्घटनाकारित वाहन चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा हैं की कोरबी चैकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झिनपुरी निवासी बलजोर श्याम 42 वर्ष पिता रघुवीर सिंह श्याम अपने मोटरसाइकिल में सवार होकर निज कार्य हेतु जा रहा था। बाइक सवार चालक चोटिया चैक को पार कर रहा था, इसी दौरान एक वाहन स्वराज माजदा ने गलर दिशा से आकर उसे अपनी चपेट में ले लिया जिससे बाइक चालक की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले स्वराज माजदा के चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिला परिषद की बैठक एटक कार्यालय में आहूत की गई

कोरबा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला परिषद कोरबा की आवश्यक बैठक मुड़ापार एटक कार्यालय में आहूत की गई, जिसकी अध्यक्षता पार्टी के पूर्व जिला सचिव कॉ. एम.एल. रजक ने की। उक्त बैठक की शुरुआत में जिला सचिव कॉ. पवन कुमार वर्मा ने पार्टी की सांगठनिक गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं 26-27 जुलाई 2025 को रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य पार्टी सम्मेलन में, कोरबा जिले से राज्य परिषद के लिए चुने गए कॉ. हरिनाथ सिंह, कॉ. एम.एल. रजक, कॉ. पवन कुमार वर्मा, कॉ. सुनील सिंह, कॉ. विजय लक्ष्मी चौहान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

सिम्स के दन्त चिकित्सा विभाग ने रचा कीर्तिमान

लगभग 4000 मरीजों का कामयाब ऑपरेशन

बिलासपुर (वीएनएस)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में भर्ती मरीजों के लिए आयुष्मान कार्ड वरदान साबित हुआ है। विगत लगभग दो साल में 598 भर्ती मरीजों की मेजर सर्जरी एवं 3227 माइनर सर्जरी किया जा चुका है। लगभग 4 हजार मरीजों का सफल इलाज कर सिम्स का दंत चिकित्सा विभाग इस मामले में छत्तीसगढ़ के समस्त चिकित्सा महाविद्यालयों के दन्त चिकित्सा विभागों में अव्वल स्थान पर है। सबसे महंगा कहे जाने वाला टीएमजे प्रत्यारोपण जिसमे जबड़े के जॉइंट का प्रत्यारोपण किया जाता है, जिसे निजी अस्पतालों में करवाने पर लाखो रूपए का खर्चा होता है। सिम्स में दन्त चिकित्सा विभाग के द्वारा जटिल सर्जरी को आधुनिक तकनीक से आयुष्मान से निःशुल्क रूप से किया गया। सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति एवं संयुक्त संचालक एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. लखन सिंह के दिशा-निर्देश एवं डॉ. भूपेंद्र कश्यप के मार्गदर्शन में ऐसे गरीब मरीजों का आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराने में भी आगे है।

अवगत हो कि अब तक सिम्स के दन्त चिकित्सा विभाग के द्वारा सड़क दुर्घटना (ट्रामा) के 550 मरीज, मुख-कैंसर के 26 मरीज, भालू काटने का 2 मरीज, चेहरे की विषमता के 10 मरीज, कोरोना काल का काला फंगस इन्फेक्शन के 9 मरीज, दाँत निकालने का 3227 मरीजों का सफलता पूर्वक इलाज किया जा चुका है। सड़क दुर्घटना में सामान्यतः चहरे के निचले जबड़े में दाएं एवं बाएं साइड फ्रैक्चर, कंडाईल फ्रैक्चर, ऊपरी जबड़े में दाएं या बायें तरफकी हड्डी टूट जाना, जायगोमैटिक काम्प्लेक्स फ्रैक्चर, नाक की हड्डी का फ्रैक्चर, माथे की हड्डी फ्रैक्चर की हड्डियां टूट जाती है। इन सभी हड्डियां जब एक साथ टूट जाये तो उसे पैनाफेशियल फ्रैक्चर कहते है। जशपुर जिले का मरीज धीर साय का सड़क दुर्घटना में चेहरे की सारी हड्डियां टूट गई थीं तथा चेहरा विकृत हो गया था, जिसका सिम्स के दन्त चिकित्सा विभाग के द्वारा सर्जरी एवं प्लेटिंग की गई, जिसकी प्रशंसा स्वयं माननीय मुख्य मंत्री विष्णु देव साय जी ने की। गौरतलब है कि सिम्स की बेहतर इलाज की सुविधा को जानते हुए पड़ोसी राज्य से भी मरीज यहाँ आकर अपने दुर्घटनाग्रस्त टूटे हुए जबड़े और चेहरे का इलाज करवाते है। अब तक सिम्स के दन्त चिकित्सा विभाग के द्वारा फ्रैक्चर के 550 मरीजों का सर्जरी एवं प्लेटिंग करके जबड़े को जोड़ा गया है। मुँख- कैंसर के साथ अन्य प्रकार की जबड़े की ट्यूमर से ग्रसित 40 से अधिक मरीजों का सफलता पूर्वक इलाज किया गया है। ऑपरेशन के बाद आई चेहरे की विकृति को ठीक करने हेतु छाती का मांस निकलकर प्रत्यारोपण भी किया गया है। यह जटिल कैंसर का ऑपरेशन को आयुष्मान कार्ड से दन्त चिकिता विभाग के द्वारा निःशुल्क किया गया है। चेहरे की विषमता यह एक प्रकार का जबड़े की बीमारी है; जिसमे जबड़े का विकास रुक जाता है और मुँह खुलना कम हो जाता है। जिससे मरीज का ऐसे 30 मरीजों का टीएमजे जोड़ को काटकर सफलता पूर्वक इलाज किया गया है। कुछ मरीजों का कृत्रिम जोड़ आर्टिफीसियल टीएमजे जॉइंट प्रत्यारोपण किया गया है। कुछ मरीजों का चेहरा अविकसित होने से टेढ़ा हो जाता है। ऐसे मरीजों में ऊपर-नीचे के जबड़े को काटकर सीधा कर चेहरा सुधारा गया। जिससे मरीजों का आत्मविश्वास बढ़ा और मरीज पहले से अधिक आकर्षक एवं सुंदर हो गया।

कोरबा में टायर फाड़ चोर ने मचाया आतंक -कार सहित पकड़ाया कथित आरोपी

0 जिस गाड़ी को चुरा नहीं पाया, उसके चीर डाले टायर

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा शहर में एक बार फिर अराजकता का माहौल देखने को मिला, जब आदतन कथित चोर ने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी। गोपालपुर निवासी इस बदमाश ने सबसे पहले एक बाइक की चोरी की और इसके बाद चारपहिया वाहनों को निशाना बनाना शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार कुल 15 गाड़ियों को उसने नुकसान पहुंचाया हैं। कई वाहन मालिक सुबह अपनी गाड़ी के पास पहुंचे तो टायर फटे और गाड़ी क्षतिग्रस्त हालत में मिली। इतना ही नहीं, उसने एक स्विफ्ट कार चोरी कर ली और कटघोरा की ओर भाग निकला। कोरबा पुलिस को जैसे ही सूचना मिली, शहर के प्रमुख मार्गों पर नाकेबंदी की गई। चोरी की कार में घूम रहा व्यक्ति केंद्रीय विद्यालय के पास, गोपालपुर चैक के आगे दबोच लिया गया। पुलिस के मुताबिक, वह पहले से कई थानों में अपराध दर्ज अपराधी हैं। वह चोरी की गाड़ियों में ही घूमता था और लंबे समय से पुलिस की नजर में था। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और उम्मीद है कि इस गिरफ्तारी के साथ शहर में हुई अन्य वाहन चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है।

NTPC प्लांट में बड़ा हादसाः प्री एयर हीटर प्लेटफार्म गिरा, 3 मजदूरों की मौत 15 घायल

लोहे का भारी स्ट्रक्चर टूटकर गिरा, शटडाउन मेंटेनेंस के दौरान हुई दुर्घटना

बिलासपुर (संवाददाता)।

बिलासपुर जिले के सीपत स्थित एनटीपीसी प्लांट में बुधवार को एक बड़ा औद्योगिक हादसा हुआ, जिसमें अब तक तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि सूत्रों से हुई है, जबकि 10 से 15 मजदूर घायल बताए जा रहे हैं। हादसा बॉयलर यूनिट नंबर-5 में प्री एयर हीटर प्लेटफार्म के टूटकर गिरने से हुआ।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे मेंटेनेंस कार्य के दौरान यह हादसा हुआ। शटडाउन पीरियड में जब भारी लोहे का प्लेटफार्म एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाया जा रहा था, उसी दौरान तकनीकी गड़बड़ी से चैन टूट गई और स्ट्रक्चर नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिर गया।

हादसे के वक्त यूनिट के भीतर 10 से 15 मजदूर काम में लगे थे। लोहे के भारी भरकम हिस्से के नीचे दबने से कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार, 5 मजदूरों की हालत गंभीर थी, जिनमें से तीन ने दम तोड़ दिया। हालांकि एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से अभी केवल एक मौत की पुष्टि की गई है। घायल मजदूरों में से अधिकांश पोड़ी गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू कार्य जारी है और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही सीपत पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी गोपाल सतपथी ने बताया कि अभी मृतकों की संख्या को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकती, रेस्क्यू पूरा होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। इस हादसे ने एक बार फिर औद्योगिक सुरक्षा मानकों और मेंटेनेंस प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

बने खाबो, बने रहबो अभियान : कोरबा में चला खाद्य जांच अभियान, मुरली होटल सहित प्रतिष्ठित मिठाई दुकानों से लिए गए नमूने

कोरबा। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सरकार अब पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। बने खाबो, बने रहबो अभियान के तहत पूरे प्रदेश में 4 अगस्त से 6 अगस्त तक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। इस महाअभियान की शुरुआत रायपुर से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया और खाद्य नियंत्रक दीपक अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर की। कोरबा जिले में इस अभियान की गूंज खास रही। निहारिका स्थित पाठक स्वीट्स, कोशाबाड़ी स्थित वैभव स्वीट्स, रवि डेयरी निहारिका, उपनगरीय कटघोरा स्थित मुरली होटल और शारदा स्वीट्स कटघोरा जैसे नामी प्रतिष्ठानों से बेसन लड्डू, पेड़ा, बूंदी लड्डू, मिल्क केक, कलाकंद, नारियल लड्डू, मथुरा पेड़ा आदि के नमूने लेकर जांच के लिए फूड टेस्टिंग लैब, रायपुर भेजे गए हैं।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल मिलावट पकड़ना नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत निम्न बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा हैः डेयरी, होटल व रेस्टोरेंट में खाद्य व अखाद्य रंगों की जांच

अखबार में खाना परोसने पर रोक पैकेजिंग मटेरियल की गुणवत्ता खाद्य तेल की शुद्धता नियमों की जानकारी देना किचन की साफ-सफाई व हाइजीन बनाए रखना स्वस्थ भोजन, सुरक्षित भविष्य की सोच के साथ यह अभियान आम जनता को जागरूक करने और व्यवसायियों में जिम्मेदारी की भावना लाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। जांच रिपोर्ट आने के बाद अगर किसी उत्पाद में मिलावट या मानकों की अनदेखी पाई जाती है तो संबंधित प्रतिष्ठानों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मामूली विवाद में बुजुर्ग की कुल्हाड़ी से हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (संवाददाता)।

कोटा थाना अंतर्गत बेलगहना चौकी क्षेत्र के ग्राम पहाड़बछाली में एक 20 वर्षीय युवक ने मामूली विवाद में 65 वर्षीय बुजुर्ग की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मृतक की पहचान छेदीलाल यादव (65) के रूप में हुई है, जो पेशे से किसान था। बारिश के चलते उनके मकान की छत टपकने लगी थी, जिसकी मरम्मत के दौरान वह पड़ोसी बृहस्पति बाई के घर में अस्थायी रूप से रह रहे थे।

घटना 4 अगस्त की है, जब बृहस्पति बाई का पड़ोसी यशराज भानू उर्फछोटा (20 वर्ष) बातचीत करने छेदीलाल से मिलने गया। बताया जा रहा है कि छेदीलाल यादव उस समय शराब के नशे में थे और बातचीत के दौरान उन्होंने यशराज को गाली दे दी, जिससे यशराज आगबबूला हो गया।

गुस्से में आकर यशराज ने घर में रखी धारदार कुल्हाड़ी से छेदीलाल का गला काट दिया। छेदीलाल की मौके पर ही मौत हो गई। शोर सुनकर आसपास के लोग जमा हुए और पुलिस को सूचना दी गई।

कोटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने आरोपी यशराज को तुरंत गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

अस्पताल की बदहाली पर हाईकोर्ट सख्त, स्वास्थ्य सचिव को निरीक्षण के निर्देश

कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति, एक सप्ताह में रिपोर्ट तलब

बिलासपुर,संवाददाता राज्य के एकमात्र मानसिक चिकित्सालय सेंदरी की अव्यवस्थाओं को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के डिवीजन बेंच ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा है कि अब अधिकारियों के शपथ पत्रों से काम नहीं चलेगा, जमीनी हकीकत देखने के लिए स्वास्थ्य सचिव को स्वयं अस्पताल का निरीक्षण करना होगा। बेंच ने इस मामले में एडवोकेट हिमांशु पांडे और एडवोकेट ऋषि राहुल सोनी को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया है और निर्देश दिया है कि वे सेंदरी मानसिक चिकित्सालय का दौरा कर एक सप्ताह के भीतर निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

उपकरणों और सुविधाओं का अभाव सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जैसी बुनियादी जांच मशीनें तक उपलब्ध नहीं हैं। मरीजों को जांच के लिए सिम्स ले जाना पड़ता है, जिससे मरीजों के साथ-साथ स्टाफऔर परिजनों को भी भारी परेशानी होती है। कोर्ट ने सवाल उठाया कि मेंटल हॉस्पिटल में ही इलाज और जांच की पूरी व्यवस्था क्यों नहीं है?

डॉक्टरों की गैरहाजिरी और अनियमितताएं कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट के अनुसार, अस्पताल में डॉक्टर और स्टाफ निर्धारित समय (सुबह 8 से दोपहर 2 बजे) के बजाय केवल 1-1.5 घंटे ही उपस्थित रहते हैं। सीसीटीवी फुटेज और रजिस्टर से यह पुष्टि हुई है कि बायोमेट्रिक उपस्थिति तक नहीं ली जा रही। सफाई व्यवस्था भी लचर है और वाटर कूलर जैसी बुनियादी सुविधाएं काम नहीं कर रही हैं।

सरकार के दावों पर उठे सवाल

हालांकि महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि सरकार मानसिक स्वास्थ्य संस्थान को लेकर गंभीर है और नियुक्तियों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं, लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि निगरानी के बावजूद सुधार नहीं होना बेहद चिंताजनक है।

हर कार्यालय को ई-ऑफिस में करना होगा काम : कलेक्टर

टीएल बैठक में फ्लैगशीप योजनाओं की गहन समीक्षा

बिलासपुर (वीएनएस)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने टीएल बैठक में राज्य शासन की फ्लैगशीप योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में ई-ऑफिस, अटल मॉनिटरिंग ऐप, जनदर्शन, राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष, स्वतंत्रता दिवस की तैयारी, खाद-बीज की समीक्षा, हर घर तिरंगा अभियान सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालय में ई-ऑफिस योजना में एक सप्ताह के भीतर प्रगति लाने कहा है। बैठक में नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल, एडीएम शिवकुमार बनर्जी सहित सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन की मंशानुरूप ई-ऑफिस योजना का शत प्रतिशत क्रियान्वयन किया जाना है। योजना के तहत फाईलें कागजी दस्तावेज के रूप में नहीं बल्कि पेपरलेस फॉर्म में डिजीटली अधिकारियों एवं कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर ऑफिस को ई-फाईल पर काम करना होगा। इसे हम कभी भी ऑनलाईन मोड में देख सकते है। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर इसमें प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने नगर निकाय के सीएमओ को निर्देश दिए कि उनके निकायों में पेयजल, साफ सफाई की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी सीएमओ यह सुनिश्चित करेंगे की प्रापर्टी टैक्स शत प्रतिशत लिया जाए।

कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों की मॉनिटरिंग करते हुए जहां-जहां सड़क खराब है उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि लोगों को किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने जनदर्शन और समय सीमा के पत्रों को प्राथमिकता से निराकृत करने कहा। उन्होंने कहा कि जनदर्शन लोगों की अपेक्षाओं का केन्द्र होता है। जनदर्शन कार्यक्रम शासन की लोगों से सीधे संवाद की एक मजबूत कड़ी है। कलेक्टर ने रजत जयंती वर्ष के लिए भी आवश्यक तैयारी करने कहा। परीक्षा केंद्रों में दीवार घड़ी लगाने के निर्देश दिए। घड़ी का समय मिलान भी सुनिश्चित करने भी कहा ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार का दिक्कत न हों। बैठक में कलेक्टर ने अटल मॉनिटरिंग ऐप की भी समीक्षा की।

यूथ रेडक्रास सोसायटी की बैठक 8 अगस्त को

बिलासपुर भारतीय रेडक्रास सोसायटी अंतर्गत यूथ रेडक्रास सोसायटी की बैठक 8 अगस्त को शाम 5 बजे जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभाकक्ष में रखी गई है।बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर संजय अग्रवाल करेंगे। बैठक में सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में यूथ रेडक्रास सोसायटी का गठन एवं अंशदान का प्रेषण, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करना एवं प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर और आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन संबंधी विषयों पर चर्चा की जाएगी।

कोरबा में 10 करोड़ का फिक्स टेंडर निरस्त, अफसरशाही की भ्रष्टाचार की योजना फेल

कोरबा

गत 21 जुलाई 2025 को रात 9.58 बजे जारी किया गया 10 करोड़ का संदिग्ध डेस्क-बेंच टेंडर अब निरस्त कर दिया गया है।

टेंडर में तकनीकी अनियमितता और जीईएम गाइडलाइंस का उल्लंघन किया जा रहा था। इन सभी तथ्यों के सार्वजनिक होते ही विभाग में हड़कंप मच गया।

दरअसल, रात 9.58 बजे टेंडर डालना ,

बिना साइज, मटेरियल स्पेसिफिकेशन के करोड़ों का टेंडर

सिर्फ 3 दिन में सैंपल, बिना टेस्ट डिटेल के टेस्ट सर्टिफिकेट की मांग डैडम, स्टार्टअप को कोई छूट नहीं, नीति का खुला उल्लंघन कर स्पीड पोस्ट से दस्तावेज की मांग कर ळमड के डिजिटल सिस्टम की अवहेलना की जा रही थी। मामला खुलने के बाद शिक्षा विभाग को टेंडर को वापस लेने का निर्णय लेना पड़ा। अब इस पूरे मामले में दोषी अधिकारियों की भूमिका की भी गंभीर जांच की मांग उठने लगी है।

साथ ही, इस मामले के सामने आने के बाद अब राज्य के अन्य जिलों में भी ळमड टेंडरों की स्क्रूटिनी शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार, बलौदाबाजार, सरगुजा, कांकेर सहित कई जिलों से भी संदिग्ध टेंडर प्रक्रिया के प्रमाण एकत्र किए जा रहे हैं।

जीवन कौशल एवं आत्महत्या रोकथाम विषय पर कार्यशाला का आयोजन

जशपुरनगर । कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा, और ,राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत कार्यरत मनोवैज्ञनिक डॉ.खान अबरार उज्जमां खान, साईकेट्रिक नर्स विवेक कुजूर, सामाजिक कार्यकर्ता प्रिया सोनी द्वारा जिले में उन्नत मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली की माह दिसंबर में आयोजित बैठक मे मानसिक स्वास्थ्य विषय पर अनुशंसा एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता हेतु कक्षा से कार्यस्थल तक मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए तनाव प्रबंधन एवं आत्महत्या विषय पर जिले के विभिन्न विकासखंडों के चिन्हांकित 12 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में 28 जुलाई से 25 अगस्त 2025 तक विद्यार्थियों को जीवन कौशल एवं आत्महत्या रोकथाम विषय पर कार्यशाल के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। इस कड़ी में 28 जुलाई 2025 को स्वामी आत्मानंद उ.मा.वि. हिन्दी माध्यम, कुनकुरी, 31 जुलाई को स्वामी आत्मानंद उ.मा.वि. हिन्दी माध्यम, दुलदुला एवं विगत दिवस 04 अगस्त को 2025 स्वामी आत्मानंद उ.मा.वि. हिन्दी माध्यम, कांसाबेल में जीवन कौशल एवं आत्महत्या रोकथाम विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें चर्चा मे मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों ने बताया कि जीवन कौशल कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को समस्याओं का समाधान करने, प्रभावी ढंग से संवाद करने, सहयोग करने के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने में ना सिर्फसक्षम बनाना है वरन कार्यशाला के माध्यम से बच्चों में आलोचनात्मक सोच, संचार, सहयोग, आत्म जागरूकता, समय प्रबंधन आदि गुणो को विकास करना भी है। आत्महत्या रोकथाम के लिए साक्ष्य और समुदाय आधारित दृष्टिकोण के रूप में गेटकीपर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें आत्महत्या के बारे में सोच रहे व्यक्तियों की पहचान करना, उनका आकलन करना, उन्हें सहायता प्रदान करना, उनका संदर्भ देना और अनुवर्ती कार्यवाई करना (आत्महत्या कारित व्यक्ति द्वारा पुनः घटना कारित न कि जाये हेतु उचित कार्यवाई) एवं आत्महत्या के बारे में सोच रहे लोगों का समर्थन करते हुए आत्म-देखभाल तकनीकों का अभ्यास कराया गया।

उमस भरी गर्मी से राजधानीवासी परेशान, दोपहर को हुई हल्की वर्षा,जलजनित रोग बढ़ रहे

रायपुर। मानसून का पूर्वी छोर अरूणाचल प्रदेश की ओर चला गया है। इसके कारण आज राजधानी के कुछ स्थानों पर हल्की सी मध्यम वर्षा हुई है। राजधानी में पिछले दो दिनों से गर्मी के कारण उमस भरा माहौल है इसके कारण लोग परेशान हो गये है और दोपहर 12 बजे अचानक हुई हल्की एवं मध्यम वर्षा के कारण उमस और बढ़ गई। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा के अनुसार मानसून द्रोणिका का पूर्वी छोर अरूणाचल प्रदेश की ओर चला गया है। जिसके कारण कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी। यहां पर गरज चमक के साथ छीटे पड़ने का पूर्वानुमान है। पिछले दो दिनों से तेज गर्मी के कारण लोग उमस भरी माहौल से परेशान हो गये हैं। राजधानी में इस समय स्थानीय चिकित्सकों के यहां भारी भीड़ लगी हुई है सदी खांसी एवं जल जनित रोग तेजी से फैल रहे हैं। मेडिकल स्टोर में भी दवाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। मेकाहारा में एक पृथक से वार्ड भी बनाया गया है जिसमें मरीजों के उपचार के उचित व्यवस्था की गई है। डॉ. चंद्रा ने बताया कि मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर अमृतसर, चंडीगढ़, शामली, शाहजहांपुर, लखनऊ, छपरा, बांकुरा, केनिंग और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पश्चिम विहार और उससे लगे उत्तर पूर्व उत्तर प्रदेश के ऊपर 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है।

बिजली बिल का झटका, कांग्रेस करेगी आंदोलन

रायपुर। राज्य में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस बिजली दर में झटका देने के विरोध में राज्यस्तरीय धरना प्रदर्शन करेगी। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि इसके लिए शीघ्र ही एक उचित रणनीति बनाई जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि राज्य में बिजली कंपनी ने 400 यूनिट तक 50 फीसदी बिल में छूट का दायरा घटाया है जिसको लेकर आम उपभोक्ताओं में रोष है। उन्होंने कहा कि यह लाभ अब सिर्फ 100 यूनिट वालों को मिलेगा। बैच ने बताया कि ऊर्जा विभाग में 50 फीसदी बिजली बिल छूट योजना में संशोधन किया है। ऊर्जा विभाग का दावा है कि इस संशोधन आदेश से 45 लाख उपभोक्ताओं में 31 लाभ परिवार को लाभ मिलेगा। कांग्रेस का कहना है कि भीषणा गर्मी में महंगाई में भी छूट का दायरा घटना काफी भयावह है। इससे आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इसका सर्वाधिक असर गृहिणिया पर पड़ेगा जो कि अपना खर्च ले देकर चलाती है इससे अतिरिक्त आर्थिक भार पढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस पूरे मुद्दे को लेकर राज्य एवं जिला स्तर पर रूपरेखा बना रही है। इसके लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक बुलाई जा रही है। ज्ञात रहे कांग्रेस ने पहले भी बिजली बिल बढ़ाये जाने का विरोध किया था। विकास उपाध्याय ने कहा कि महंगाई की मार झेल रहे छग के लोगों को साय सरकार बिजली हाफ योजना का झूठा लाभ दे रही है। भूपेश बघेल ने भी इसका विरोध किया है और इसे जनता के साथ धोखा बताया है।

डंगनिया जलागार में बटरफ्लाई वाल्व अचानक खराब होने से 30 हजार लोग बरसात में हुए प्यासे

रायपुर। राजधानी के डंगनिया स्थित जलाशय में खराबी आ जाने के कारण करीब तीस हजार से अधिक नागरिकों को पानी नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण अश्वनी नगर, डंगनिया वामन राव लाखे वार्ड सहित चौबे समता कालोनी कालेज वार्ड के लोग परेशान है। बरसात के मौसम में नल नहीं आने से लोगों में आश्चर्य है पिछले तीन दिनों से डंगनिया जलाशय से पानी नहीं आ रहा है जिसके कारण लोग जोन का अध्यक्ष का चक्कर काट रहे है। बताया जाता है कि अचानक बटरफ्लाई वाल्व खराब हो गया। जिसके कारण एक बड़े क्षेत्र में पानी नहीं आ पा रहा है। वार्ड क्रमांक 41 और 42 के क्षेत्र में 15 टैंकर लगवाए गये हैं।

नगर निगम रायपुर के जोन 5क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 41 और 42 क्षेत्र के नागरिकों को विगत दो दिन पूर्व से डंगनिया जलागार का वाल्व अचानक खराब होने पर जलआपूर्ति प्रभावित रही. वाल्व बनाकर जलआपूर्ति की गयी।

रामगढ़ पर्वत और लेमरू प्रोजेक्ट पर सिंहदेव का बड़ा खुलासा, बीजेपी सरकार के फैसले से भगवान राम से जुड़ी धरोहर पर खतरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, पूंजीपतियों के हित में सरकार रामगढ़ और लेमरू प्रोजेक्ट को खतरे में डाल दिया है। छत्तीसगढ़ में हसदेव जंगल में पेड़ों की कटाई का मामला एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ सरकार पर केते एक्सटेंशन कोल ब्लॉक को अनुमति देने के लिए आंकड़ों में हेरफेर का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, यह कदम सरगुजा की सांस्कृतिक धरोहर रामगढ़ पर्वत और लेमरू हाथी प्रोजेक्ट के लिए खतरा बन गया है।

कॉरपोरेट हितों को रखा गया ध्यान

टीएस सिंहदेव ने आरोप लगाया कि सरकार ने कॉरपोरेट हितों और पूंजीपतियों के फायदे के लिए प्रकृति, आदिवासी जीवन और सांस्कृतिक विरासत को दांव पर लगा दिया। उन्होंने बताया कि 2020-21 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने वन विभाग के सर्वे के आधार पर पाया था कि रामगढ़ पर्वत केंटे एक्सटेंशन कोल माइंस के 10 किमी दायरे में आता है। इस खदान से ऐतिहासिक धरोहर को गंभीर नुकसान और लेमरू हाथी अभ्यारण्य के हाथियों को पलायन करना पड़ेगा, जिससे मानव-हाथी संघर्ष बढ़ेगा। इसके अलावा, खदान के लिए 4 लाख से अधिक पेड़ काटे जाएंगे, जिसे कांग्रेस सरकार ने एनओसी देने से इंकार कर दिया था।

भगवान राम से जुड़ी धरोहरों का होगा नुकसान

टीएस सिंहदेव ने कहा कि वर्तमान सरकार, राजस्थान सरकार की आड़ में आंकड़ों में हेरफेर कर रामगढ़ पर्वत को खदान से 11 किमी दूर बताकर प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी। सिंहदेव ने कहा कि खदान शुरू होने से प्रभु श्रीराम और सीतामाता से जुड़ी सीता बेंगरा, जोगीमारा गुफा और प्राचीन नाट्यशाला पर खतरा मंडराएगा। पहले से मौजूद दो खदानों के कारण रामगढ़ पर्वत में दरारें पड़ चुकी हैं और नई खदान स्थिति को और गंभीर कर देगी।

आंदोलन की चेतावनी

टीएस सिंहदेव ने कहा, खदान की अनुमति तत्काल रद्द हो, वरना हम रामगढ़ पर्वत की अडिग चट्टानों की तरह संघर्ष करेंगे। बहरहाल उनके इस बयान ने सरगुजा में खदान के खिलाफ आंदोलन की सुगबुगाहट तेज कर दी है।

उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा, हसदेव अरण्य छत्तीसगढ़ की अमूल्य संपत्ति है। रामगढ़ पहाड़ सरगुजा, छत्तीसगढ़ और भारत की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और जनआस्था की एक अनमोल धरोहर है। पूंजीपतियों के स्वार्थ के लिए हम इन्हें किसी भी हालत में नष्ट नहीं होने देंगे। सरकार इस फैसले को तुरंत वापस ले, अन्यथा जनता के साथ मिलकर इसका पुरजोर विरोध करेंगे और सरकार को इसे रोकने पर मजबूर करेंगे।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने दो युवकों को रौंदा

रायपुर। ग्राम सांकरा स्थित रोहित स्वीट्स के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दो युवक को रौंद दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में धरसींवा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं ट्रेलर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मृतक कमल कुमार नेताम 36 वर्ष लाटाबोड़ का रहने वाला था। मृतक पेशे से ट्रक ड्राइवर है।

तालाब के पास खड़ी बाइक पार

रायपुर। मच्छी तालाब गुढ़ियारी के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रवि कन्हार 29 वर्ष मुर्रा भट्टी गुढ़ियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 पीएन 4571 को मच्छी तालाब के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

वन विभाग द्वारा हाथी से जनहानि के मामले में परिजनों को प्रदाय की जा रही तत्कालिक सहायता राशि

हाथी प्रभावित क्षेत्रों में हाथी होने की निरंतर दी जा रही सूचना

लोगों को जंगल की ओर न जाने की दी जा रही समझाईश

जशपुरनगर । वनमण्डलाधिकारी के निर्देशानुसार वन विभाग एवं आर.आर.टी. की टीम द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों के आस-पास के ग्रामों में हाथी होने की सूचना के लिए निरंतर मुनादि कराई जा रही है साथ ही जंगल की ओर निस्तार एवं अन्य प्रयोजन हेतु न जाने की समझाईश भी दी जा रही है। विभाग द्वारा हाथी द्वंद से जनहानि मामलों में भी त्वरित कार्यवाही करते हुए परिजनों को तत्कालिक सहायता राशि प्रदाय किया जा रहा है। इसी कड़ी में सन्ना तहसील के डुमरपाठ निवासी रमेश यादव का हाथी हमले से मृत हो जाने पर उनके परिजन हेतु तत्काल सहायता राशि प्रदाय किया गया।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जशपुर वनमण्डल अन्तर्गत बगीचा परिक्षेत्र के परिसर रेंगले के कक्ष क्रमांक पी 1331 एवं पी 1332 में श्री रमेश यादव, गाम डुमरपाठ तहसील-सन्ना एवं अन्य 06 साथियों के साथ 03 अगस्त 2025 को समय लगभग 02.00 बजे छिपकर हाथी को देखने का प्रयास कर किया गया। कि अचानक विचरण कर रहे हाथियों का दल से सामना हो जाने के कारण सभी लोग भागने का प्रयास किये। जिसमें से 06 लोग मौका स्थल से भागने में सफल हो गये। किन्तु रमेश यादव वापस नहीं आया। मौका स्थल से वापस आये साथियों के द्वारा 03 अगस्त को वन विभाग के अमलों एवं ग्रामवासियों को श्री रमेश यादव के वापस न आने की सूचना दी गई। जिस पर वन विभाग की टीम त्वरित कार्यवाही करते हुए पतासाजी करते हुए 04 अगस्त 2025 को प्रातः 06.30 बजे दूजा राम नगेसिया, साकिन गुरम्हाकोना, ग्राम पंचायत गुरम्हाकोना के निजी भूमि पर रमेश यादव का मृत शरीर पाया गया। तत्पश्चात् मृतक का शव परीक्षण कराने की कार्यवाही किया जाकर मृतक की पत्नि श्रीमती चिंता यादव को तत्कालिक सहायता राशि रूपये 25 हजार प्रदाय किया गया।

छात्र संघ चुनाव लटका, मेरिट के आधार पर मनोनयन

पांच दिसंबर को राजभवन में कार्यक्रम होगा आयोजित

राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार के आवेदन आमंत्रित

रायपुर । अगले माह 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाएगा इसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की भी घोषणा की जाएगी। राज्य में राज्यस्तरीय पुरस्कार का वितरण राज्यपाल राजभवन में पांच सितंबर को करेंगे। शिक्षक दिवस पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। देश की राष्ट्रपति दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सैनिक शिक्षकों को पुरस्कार देगी। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में राष्ट्रीय शिक्षक के पुरस्कारों के लिए आवेदन मंगाए गए थे जो कि केंद्र में मानव संसाधन विभाग को भेज दिये गये हैं। इसके लिए निर्धारित मापदंड पूरा करनाहोता है। इस वर्ष किसे पुरस्कार मिलेगा इसका निर्धारण नहीं किया गया है। लेकिन बड़ी संख्या में आवेदन पत्र दिल्ली चले गये हैं। स्कूल शिक्षा संचालनालय से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में पिछले वर्ष 2025 के लिए पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई थी। अब 2026 के लिए पुरस्कारों की घोषणा शिक्षक दिवस के अवसर पर की जाएगी। शिक्षा संचालनालय के अनुसार इस वर्ष भी सभी जिलों से आवेदन पत्र मंगाए गये है। जिन जिन जिलों के शिक्षकों का चयन किया जाएगा उनकी घोषणा कर दी जाएगी। जिन शिक्षकों का चयन हुआ है उन्हें 50 हजार तथा श्रीफल एवं शॉल दिया जाएगा। राज्य के शिक्षामंत्री विष्णुदेव साय है इसलिए इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। पांच सितंबर शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। राज्य के कई सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठनों द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा।

तहसीलदारों की हड़ताल से बढ़ने लगी फाइलों का अंबार, लोग रोज तहसील कार्यालय आ रहे हैं

रायपुर। प्रदेश में तहसीलदारों की हड़ताल की वजह से फाइलों का अंबार लग रहा है। राज्य की सभी तहसीलों में लंबित प्रकरणों की संख्या बढ़ने लगी है। तहसीलों और सभी राजस्व न्यायालयों को मिलाकर 20 हजार से अधिक फाइलें पेंडिंग हो गई हैं। इन पर कोई फैसला नहीं हो पा रहा है।

इधर सभी जिलों में चालू शैक्षणिक सत्र के चलते छात्रों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों को आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने तहसीलों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लग रही है। राजस्व कोर्ट में फैसले भी अटके पड़े हैं। इसके बावजूद रजिस्ट्री पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ रहा है, लेकिन जमीन से जुड़े अन्य मामले ठंडे बस्ते में चले गए हैं।

तहसीलदारों की हड़ताल से रोजमर्रा के सामान्य कामकाज भी नहीं हो पा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक सभी जिलों में आय प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए छात्रों के सबसे ज्यादा आवेदन लंबित पड़े हैं। कई मामलों में छात्रों को समय सीमा में जमा करना अनिवार्य है। लेकिन हड़ताल के चलते तहसीलदारों के दस्तखत नहीं हो पा रहे हैं। यही स्थिति मूल निवास प्रमाण पत्र के आवेदनों को लेकर है। स्कूली छात्रों को गुहार लगाते भटकना पड़ रहा है। नक्शा नकल से लेकर शोध क्षमता प्रमाण पत्र के कार्य भी अटक गए हैं। इनमें से ज्यादातर कार्य तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों की निगरानी, अनुमोदन और आदेश से ही संपादित होते हैं, इसी तरह धारा 115 के तहत त्रुटि सुधार जैसे कार्यों पर असर पड़ा है, इसके अलावा बैंकों की वसूली भी प्रभावित हुई है। फौती नामांतरण से लेकर सीमांकन और बंटवारा के प्रकरणों पर भी फैसला नहीं हो पा रहा है। सभी स्तरों के प्रकरणों को मिलाकर लंबित फाइलों की तादाद ही 20 हजार पार कर गई है। यह संख्या रोजाना लगातार बढ़ रही है।

संस्कार के विद्यार्थियों को मिला फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण

रायगढ़। जिले की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने होमगार्ड की डिजास्टर मैनेजमेंट की टीम से स्कूल परिसर में आगजनी से बचने हेतु प्रशिक्षण प्राप्त किया। संस्था की प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा ने बताया कि मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा के निर्देशन में होमगार्ड की फायर सेफ्टी टीम से मिलकर विद्यार्थियों को सीख दी गई। प्रभारी खलखो के निर्देशन में फायर ब्रिगेड का उपयोग, सिलेन्डर में आग लगने पर बचने का उपाय, इलेक्ट्रीक आगजनी पर कार्बनडाई ऑक्साईड के उपयोग से आग बुझाना, शरीर में आग लगने पर बचने का उपाय आदि से संबंधित जानकारी दी गई। बच्चों में प्रशिक्षण के दौरान सीखने का उत्साह देखते ही बनता था। विद्यार्थियों के साथ-साथ प्राचार्या रश्मि शर्मा एवं टीचर्स ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। बच्चों को बताया गया कि अपने साथ-साथ दूसरे का भी बचाव कैसे किया जाए। यह भी जानकारी दी गई कि बिल्डिंग में आग लगती है या किसी दुकान में आग लगती है तो किस-किस उपाय से बचत की जा सकती है।

मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि संस्कार स्कूल के विद्यार्थियों को असेम्बली ग्राउंड में पहले थ्योरी क्लास लेकर समझाया गया। उसके बाद प्रायोगिक तरीके से अलग-अलग उपाय को प्रदर्शन करके बच्चों को जानकारी दी गई। बच्चों से व टीचर से उन उपायों को खुद करके भी सीखने के लिए प्रेरित किया गया। जिसके कारण सभी ने वैसा प्रशिक्षण करके भी सीखा। गीले कम्बल का उपयोग, बाल्टी का उपयोग, पानी का उपयोग, ऑक्सीजन को रोकने का उपाय आदि तरीके बताकर बच्चों को डिजास्टर मैनेजमेंट के बारे में सीख दी गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)